आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ट 12 मूल्य: 2 ₹

डी. एल. ( ई ) 01/5155/2021-23
यू. ( ई ).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

# 2024 में मोदी नहीं बनेंगे पीएम

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 19 ● नई दिल्ली ● 12 से 18 मई 2024

देश के पूर्व गृहमंत्री, भारतरत्न लालकृष्ण आडवाणी ने राहुल गांधी को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भले ही मैं भाजपा से हूँ लेकिन मैं आज भारत देश के समाज सेवक के रूप में भारतीय जनता से यह कहना चाहता हूँ कि राहुल गांधी ही एक ऐसे इंसान हैं जो भारत देश को एक अच्छा राष्ट्र बना सकते हैं, क्योंकि उनमें वह निर्णय लेने की क्षमता है जो भारत देश के वासियों को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

भारतरत्न श्री आडवाणी के नाम से उक्त बयान को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई है, जिसमें उन्हें कोड करते हुए कहा गया है कि राहुल गांधी भारत देश को एक नई दिशा प्रदान कर सकते हैं, मैंने भी देश के लिए एक गृहमंत्री के रुप में सेवा की है। मगर मैंने कभी भी राजनीति में राहुल गांधी जैसा प्रभावशाली नेता नहीं देखा। गूगल पर सर्च करने पर मनीष कुमार एडवोकेट के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस पोस्ट को देखा गया है, जिसमें भारतरत्न लालकृष्ण आडवाणी की तस्वीर के साथ इसे पोस्ट किया गया है।

भारतरत्न लालकृष्ण आडवाणी का यह बयान ऐसे समय में

शेष पृष्ठ 2 पर

**॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने कन्नौज में संयुक्त रैली की। राहुल ने कहा- मोदी ने करोड़ों युवाओं को बेरोजगार कर दिया। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से करोड़ों रुपए लिए। आप मर रहे थे और पीएम कहे रहे थे कि थाली बजाओ और ताली बजाओ। नफरत को खत्म करने के लिए हमने मोहब्बत फैलाई है। हम ये कहे रहे हैं कि 2024 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। वहीं, अखिलेश ने कहा-भाजपा की हार में केवल चार चरण, चार कदम बाकी है। भाजपा का पूरा बैलेंस खराब कर दो। राहुल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा-राहुल ने मोहब्बत की यात्रा निकाली। आज वही हमारे लिए आप से वोट की अपील करने आए हैं।

उन्होंने कहा, "ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग किया जा रहा है और संविधान पर

आक्रमण हो रहा है। जो लोग संविधान खत्म करने की सोच रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि संविधान खत्म नहीं होगा। संविधान बचाने के लिए लोग लड़ते रहे हैं और आगे भी लड़ते रहेंगे।"

कन्नौज से अखिलेश खुद चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला भाजपा सांसद सुब्रत पाठक से है। कानपुर में कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा मैदान में हैं। जबकि भाजपा ने रमेश अवस्थी को टिकट दिया है।

### पीएम ने करोड़ों युवाओं को बेरोजगार किया

राहुल ने कहा- मोदी ने करोड़ों युवाओं को बेरोजगार कर दिया। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से करोड़ों रुपए मोदी

शेष पृष्ठ 2 पर

# तानाशाही के खिलाफ लड़ाई

**॥ उमेश जोशी ॥**

सुप्रीम कोर्ट से जमानत पाने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी रिहाई के लिए दिल्ली के लोगों को धन्यवाद दिया और 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तानाशाही' के खिलाफ लड़ने की कसम खाई। तिहाड़ जेल से रिहा होने के एक दिन बाद केजरीवाल ऐतिहासिक हनुमान मंदिर में माथा टेकने पहुंचे। केजरीवाल के साथ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज समेत आप नेता भी थे। पार्टी ऑफिस में अपने संबोधन में केजरीवाल ने कहा कि मैं जेल से सीधा आपके पास आ रहा हूं। 50 दिनों के बाद आपके साथ रहना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अभी अपनी पत्नी और सीएम भगवंत मान के साथ हनुमान मंदिर गया था। बजरंग बली का आशीर्वाद हमारी

पार्टी और हम पर है। उन्हीं की कृपा से मैं आज आपके बीच हूं।

केजरीवाल ने कहा कि हमारी आम आदमी पार्टी को कुचलने में प्रधानमंत्री जी ने कोई कसर नहीं छोड़ी। एक साल में हमारी पार्टी के चार टॉप के नेता जेल भेज दिए। उन्होंने दावा किया कि जो लोग मोदी जी से मिलने जाते हैं। वो हमें भी सब बताते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी आम आदमी पार्टी एक छोटी पार्टी है, जो दो राज्यों में मौजूद है। लेकिन प्रधानमंत्री ने हमारी पार्टी को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी और एक साथ चार नेताओं को जेल भेज दिया। बड़ी पार्टियों के चार शीर्ष नेता जेल चले जाएं तो पार्टी खत्म हो जाती है। प्रधानमंत्री आप को कुचलना चाहते हैं...पीएम मोदी

शेष पृष्ठ 2 पर

# नफरत फैलाने वालों को खारिज करें

**॥ डा. प्रदीप चतुर्वेदी ॥**

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा ने कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल संविधान, लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के बीच उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी किया। सोनिया गांधी ने मतदाताओं से अपील की कि झूठ और नफरत फैलाने वालों को खारिज करें, सभी के उज्जवल भविष्य के लिए कांग्रेस को वोट दें। उन्होंने कहा कि आज देश के हर कोने में युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है, महिलाओं को अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों को भयानक भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। यह माहौल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और

भाजपा की मंशा के कारण है। उनका ध्यान सिर्फ किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने पर है।

मोदी पर वार करते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक फायदे के लिए नफरत को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस पार्टी और मैंने हमेशा सभी की प्रगति, वंचितों को न्याय और देश को मजबूत करने के लिए लड़ाई लड़ी है। गांधी ने कहा कि कांग्रेस और भारत गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए समर्पित है। सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए कांग्रेस को वोट दें और आइए मिलकर एक मजबूत और एकजुट भारत का निर्माण

शेष पृष्ठ 2 पर

# चुनाव के बाद कांग्रेस में बदलाव

**॥ विनीता यादव ॥**

आने वाले समय में यानी लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में बड़े पैमाने पर बदलाव हो सकते हैं। इसके संकेत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने खुद दिए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने भी गलतियां की हैं और उन्हें भविष्य में अपनी राजनीति बदलनी होगी। ये बात मैं कांग्रेस पार्टी से होते हुए कह रहा हूं। हालांकि, राहुल गांधी ने इस बात का जिक्र नहीं किया कि कांग्रेस ने क्या गलतियां की। अब जानकार बयान के मायने निकाल रहे हैं। माना जाने लगा है कि लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद कांग्रेस पार्टी में बड़े बदलाव के संकेत हो सकते हैं। बता दें कि चुनाव के दौरान कई कांग्रेस नेता

सक्रिय होकर ऐसे बयान देते हैं जिससे कई बार कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ता है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि 90 प्रतिशत आबादी एससी/एसटी, ओबीसी, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और सामान्य समुदाय के गरीबों की है, जिन्हें समान भागीदारी नहीं दी जाती है। अगर देश को मजबूत करना है, तो 90 फीसदी को शामिल किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता। अगर आप कहते हैं कि 90 फीसदी नौकरशाही, खेल, मीडिया, न्यायपालिका और यहां तक कि सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भी नहीं आएंगे, तो आप कौन सी महाशक्ति बनेंगे। क्या आप 10 प्रतिशत आबादी को महाशक्ति बनाना चाहते हैं?

शेष पृष्ठ 2 पर

# संपादकीय

## 400 पार ने बाँधी भाजपा की गले में घंटी

भारतीय जनता पार्टी चुनाव में हमेशा बड़े लक्ष्य तय करती है। मतदाताओं को भी बड़े-बड़े सपने दिखाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं सपने बड़े देखो और उन्हें पूरा करने का प्रयास करने पर ही सपने सच होते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए 400 पार का नारा और सीटों का लक्ष्य तय किया था। लोकसभा में यदि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए को मिलकर 400 सीट मिल जाती हैं, तो इसका मतलब केवल सरकार बनने से नहीं था। इतनी ताकत भारतीय जनता पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में मिल जाएगी। ऐसी स्थिति में वह भारतीय संविधान में आमूल चामूल परिवर्तन करने के लिए सक्षम हो जाएगी। संविधान में दो तिहाई बहुमत से ही मौलिक अधिकारों से संबंधित मामलों में संशोधन के अधिकार मिलते हैं। दो तिहाई बहुमत से दोनों सदनों की स्वीकृति मिलने पर संविधान के किसी भी खंड में संशोधन किया जा सकता है। जैसे ही भारतीय जनता पार्टी ने 400 पार का नारा दिया, उसके बाद से ही भाजपा की मुसीबतें बढ़ना शुरू हो गई। भारतीय जनता पार्टी के कई सांसदों ने सार्वजनिक रूप से यह कहना शुरू कर दिया। इस बार 400 सीट मिलने के बाद संविधान में संशोधन किया जाएगा।

यह बात किसी एक आदमी ने नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी के चार सांसदों और भाजपा संगठन की ओर से खुले तौर पर कही। 400 पार का नारा सामने आने के बाद ईवीएम के विरोध भी बड़ा तेज हो गया। यह आशंका लोगों के मन में बैठ गई, वर्तमान स्थिति में 400 सीटें पाना किसी के लिए संभव नहीं है। ऐसे में यदि भारतीय जनता पार्टी 400 पार का नारा लगा रही है, इसके पीछे कहीं ना कहीं ईवीएम और वीवी पेट के माध्यम से गड़बड़ी की जा सकती है। इसके बाद आंदोलन भी हुआ और जगह-जगह विरोध भी हुआ। संविधान संशोधन के मामले ने तूल पकड़ा। हिंदू राष्ट्र बनाने से लेकर आरक्षण खत्म करने का आरोप विपक्षी दलों ने लगाना शुरू कर दिया। भाजपा को अब इसी मामले में सफाई देनी पड़ रही है। वह आरक्षण को खत्म नहीं करेंगे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह को कहना पड़ा कि हमें स्पष्ट बहुमत था। हमने धारा 370 को खत्म करने और सीएए जैसे कानून बनाए हैं। हमारे पास बहुमत था इसलिए हम यह काम कर पाए। लेकिन 400 पार क्यों जरूरी है, इसका स्पष्टीकरण वह भी नहीं दे पाए। पिछले 10 वर्षों में गंगा और यमुना में बहुत पानी बह गया है। जब सरकार ने नोटबंदी लागू की थी, उसके बाद उत्तर प्रदेश के चुनाव हुए थे। सरकार ने यह कहना शुरू कर दिया था कि नोटबंदी को जनता ने समर्थन दिया है। इसलिए हम उत्तर प्रदेश में चुनाव जीते हैं। इसी तरह जीएसटी कानून में नागरिकों के ऊपर भारी टैक्स लगाए गए। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें लगातार बढ़ती रही। सरकार ने इसके बारे में भी कहा, यदि जनता नाराज होती, तो हमें वोट क्यों देती।

भारत में 1952 से लेकर अभी तक जितने भी चुनाव हुए हैं। उनमें 1984 के लोकसभा चुनाव में जब इंदिरा गांधी की हत्या हुई थी। तब सहानुभूति लहर में कांग्रेस को लगभग 50 फीसदी वोट मिले थे। लोकसभा में पहली बार 404 सीटों पर कांग्रेस की जीत हुई थी। 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी को 43.68 फीसदी मत और 352 सीट पर जीत मिली थी। उन्होंने पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश का युद्ध जीता था। 1980 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा की गिरफ्तारी को लेकर सहानुभूति की लहर चली थी। जिसमें कांग्रेस को 42.69 फीसदी वोट और 374 सीट मिली थी। इसके बाद कभी भी किसी भी राजनीतिक दल को इतना बड़ा बहुमत नहीं मिला। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव तथा इस दौरान हुए विधानसभा के चुनावों में विशेष रूप से हिंदी पट्टी में भारतीय जनता पार्टी का वोट शेयर बढ़ता रहा है। वोट शेयर बढ़ने का सबसे बड़ा कारण धार्मिक ध्रुवीकरण था। कुछ ऐसा माहौल बन गया था कि कांग्रेस खत्म हो रही है। भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ रही है। 2024 से लोकसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी इसी खेल को खेल कर 400 पार करना चाहती थी। संविधान संशोधन और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को दरकिनार करते हुए सरकार ने जो नया कानून बनाया।

उसमें चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री एक केंद्रीय मंत्री और नेता विपक्ष को रखकर सरकार ने 2 चुनाव आयुक्त नियुक्त किये। चुनाव अधिसूचना जारी होने के 1 दिन पहले जिस तरह से दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की गई है। उसको बाद चुनाव आयोग और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर आम मतदाताओं के बीच में अविश्वास देखने को मिल रहा है। रही-सही कसर महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट के चलते मतदाताओं की नाराजगी 2024 के चुनाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। इन सारे हालातों को देखते हुए यही कहा जा सकता है। 400 पार का जो नारा भारतीय जनता पार्टी ने लगाया था। वह उनके गले में घंटी की तरह बंध गया है। इसका कितना फायदा होगा और कितना नुकसान होगा, इसका आकलन तो चुनाव परिणाम के बाद ही होगा। भाजपा हर चुनाव में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करती है। जिसके कारण नतीजे को लेकर सभी के बीच में रोमांच देखने को मिलता है। मतदान के दौरान मतदाताओं की खामोशी और मतदान से अरुचि को लेकर सभी भ्रमित हैं। मतदाता भ्रमित है किसे वोट करें, वहीं राजनीतिक दल भी चुनाव परिणामों को लेकर भ्रमित हैं।

पृष्ठ 1 का शेष

# 2024 में मोदी नहीं बनेंगे पीएम

ने लिया। आपको ऑक्सीजन नहीं मिल रही थी। आप मर रहे थे और मोदी जी कहे रहे थे कि थाली बजाओ और ताली बजाओ। हम 250 रुपए बढ़ाकर मनरेगा मजदूरी 400 रुपए करेंगे। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की आमदनी दो गुना की जाएगी। चुनाव में कुछ दिन ही बचे हैं। पिछले 2 साल से इंडी गठबंधन साथ मिलकर काम कर रहा हैं। नफरत को खत्म करने के लिए हमने मोहब्बत फैलाई है। इसी की बदौलत हम ये कहे रहे हैं कि 2024 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनने वाला है।

### राहुल बोले-हर महिला को महीने में 8 हजार रुपए देंगे

राहुल ने कहा-हमारी सरकार करोड़ों लोगों को लखपति बनाने का काम करेगी। हर महिला को महीने में 8 हजार रुपए उसके खाते में भेजेंगे। खटाखट, खटाखट, खटाखट पैसा हर महीने महिलाओं के खाते में जाएगा। ये पैसा तब तक मिलता रहेगा, जब तक ये परिवार गरीबी रेखा से ऊपर नहीं उठ जाएंगे। मीडिया के लोग हमारी बात पर सवाल उठाएंगे। लेकिन हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें हर महीने पैसे भेजने हैं तो भेजेंगे। हम लखपति बनाएंगे।

### अगर मोदी दोबारा पीएम बने तो संविधान खत्म कर देंगे

राहुल गांधी ने कहा-पीएम मोदी फिर से पीएम बने तो गांधीजी और अंबेडकर के बनाए संविधान को खत्म करने का काम करेंगे। लेकिन हम कहते हैं कि किसी को हम संविधान की किताब नष्ट करने के लिए हाथ नहीं लगाने देंगे। पीएम मोदी 22 लोगों के लिए काम करते हैं। 22 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए कर्जा माफ कर चुके हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि किसानों और नौजवानों का कितना कर्ज माफ किया। हमारी सरकार करोड़ों लोगों को लखपति बनाने का काम करेगी। हर महिला को महीने में 8 हजार रुपए उसके खाते में भेजने का काम करेंगे।

### मोदी और शाह चुनाव में ध्यान भटकाने का काम करेंगे

राहुल ने कहा-मीडिया का रिमोट पीएम मोदी के हाथों में हैं। लेकिन इनकी मजबूरी है। इन्हें सैलरी लेनी होती है। बावजूद इसके इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। प्रचंड जीत हासिल कर इंडी गठबंधन केंद्र में अपनी सरकार बनाने जा रहा है। पीएम मोदी ने कभी अडाणी और अंबानी का नाम नहीं लिया। अब जब पीएम मोदी मुसीबत में हैं तो उनका नाम लेना शुरू कर दिया। भइया हमें बचाओ। मोदी और शाह चुनाव के वक्त आप सबका ध्यान भटकाने का काम करेंगे।

## राहुल भारतीय राजनीति का नायक...

सामने आया है जबकि तीसरे चरण का मतदान हो रहा था और आगे अभी लोकसभा चुनाव के चार चरण शेष हैं। ऐसे में उनके बयान को महत्वपूर्ण इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ कर जहां भाजपा और दीगर विरोधी नेताओं को खामोश कर दिया है, वहीं मोदी सरकार द्वारा दिए गए भारतरत्न के बावजूद राहुल गांधी की तारीफ करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी करने जैसा है।

भारतरत्न लालकृष्ण आडवाणी के नाम को कोड कर वायरल किए गए संदेश को सोशल मीडिया पर बार-बार देखा और सर्च किया गया है। इस कारण कहा जा सकता है कि इसका असर लोकसभा चुनाव के आगामी चरणों में अवश्य ही देखने को मिलेगा।

# तानाशाही के खिलाफ लड़ाई

खुद मानते हैं कि AAP ही देश को भविष्य देगी।

आप नेता ने दावा किया कि मैं तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं तानाशाही को रोकने और देश को बचाने के लिए पूरे देश में घूमूंगा। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि जब-जब देश पर तानाशाहों ने कब्जा करने की कोशिश की, जनता ने तख्ता उखाड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा चुनाव जीत गई तो ममता और तेजस्वी जेल में होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के सबसे बड़े चोर और डकैतों को पीएम ने अपनी पार्टी में शामिल किया

उन्होंने कहा कि 75 साल में किसी पार्टी को इतना परेशान नहीं किया गया। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि वह भ्रष्टाचार से लड़ रहे हैं लेकिन सारे चोर उनकी पार्टी में हैं। 10 दिन पहले जिसे अपनी पार्टी में शामिल कराकर घोटाला करने का आरोप लगा उसे डिप्टी सीएम और मंत्री बना दिया गया।

केजरीवाल ने कहा कि मैं पीएम मोदी से कहना चाहता हूं कि अगर आप भ्रष्टाचार से लड़ना चाहते हैं तो केजरीवाल से सीखें... दिल्ली में सरकार बनने के बाद मैंने खुद अपने एक मंत्री को बर्खास्त किया और उसे जेल भेजा। उन्होंने कहा कि पंजाब में हमने एक मंत्री को जेल भेजा। आप सभी चोरों को अपनी पार्टी में शामिल करो और केजरीवाल को जेल भेजो, यह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई नहीं है...केजरीवाल को गिरफ्तार करके उन्होंने संदेश दिया है कि अगर केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया तो वे किसी को भी गिरफ्तार करेंगे। इस मिशन का नाम है 'वन नेशन वन लीडर...'

## नफरत फैलाने वालों को खारिज करें

करें। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि आज चुनाव का तीसरा चरण समाप्त होने जा रहा है। पूरी दुनिया ने देखा कि देश के प्रधानमंत्री किस तरह की बातें कर रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी INDIA गठबंधन के नेताओं को एक पत्र लिखा है, क्योंकि दो चरणों के आंकड़े काफी विलंब से आए, जिनमें कुछ विसंगतियां देखी गईं। उन्होंने कहा कि आपने यह भी देखा कि तीसरे चरण से पहले बड़े पारिवारिक माहौल में PM मोदी का इंटरव्यू किया जा रहा है, जिसमें साहब से सवाल नहीं पूछे गए। उन्हें बस महान बताने का प्रयास किया जा रहा है। पत्रकारों का यह हाल देखकर बड़ा बुरा लगता है।

# चुनाव के बाद कांग्रेस में बदलाव

लोकसभा चुनाव 2024 के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लखनऊ में मोदी सरकार के खिलाफ निशाना साधा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समृद्ध भारत फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि राजनीति में दो तरह के लोग होते हैं। एक, जो सुबह से शाम तक सत्ता के लिए दौड़ते हैं। सच्चाई नहीं स्वीकार करते हैं। बस किसी भी तरह सत्ता में आ जाएं, इसी में लगे रहते हैं। दूसरे वे लोग होते हैं जो सच्चाई सामने दिख रही है उसको स्वीकार करते हैं। आंबेडकर, गांधी, बुद्ध, पेरियार ने यही किया। राहुल गांधी ने आगे कहा कि वो पीएम मोदी के साथ डिबेट करने के लिए तैयार थे, लेकिन उन्हें पता था कि पीएम मोदी उनके साथ डिबेट नहीं करेंगे।

राहुल गांधी ने ये भी दावा किया कि लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा 180 से कम सीटों पर सिमट जाएगी। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता ने इस कार्यक्रम में एक ऐसी बात कही, जिस पर काफी राजनीतिक चर्चा हो रही है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ने भी गलतियां की हैं और उन्हें भविष्य में अपनी राजनीति बदलनी होगी। ये बात मैं कांग्रेस पार्टी से होते हुए कह रहा हूं। हालांकि, राहुल गांधी ने इस बात का जिक्र नहीं किया कि कांग्रेस ने क्या गलतियां की।

# उत्तर पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार ने दाखिल किया नामांकन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। पूर्व छात्र नेता उसी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के दो बार के सांसद और भोजपुरी गायक से नेता बने मनोज तिवारी का सामना करने के लिए तैयार हैं। कुमार ने 2019 का आम चुनाव बिहार की बेगुसराय सीट से सीपीआई उम्मीदवार के रूप में लड़ा। जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार पहली बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा उनके विरोध की भी खबर आई थी। दो बिहारियों

फोटो : राजीव गुप्ता

के बीच होने वाले इस मुकाबले में पर सभी की दिलचस्पी है। नामांकन से पहले कन्हैया ने पूजा और हवन किया और सभी धर्मों के गुरुओं से भी आशीर्वाद लिया। नामांकन के दौरान कन्हैया के साथ आप के नेता भी मौजूद रहे। कांग्रेस दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ रही है। सीट-बंटवारे की व्यवस्था के हिस्से के रूप में, कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि आप ने राष्ट्रीय राजधानी में चार निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार खड़े किए हैं।

उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र नई दिल्ली के 7 संसदीय क्षेत्रों में से एक है। यह एक सामान्य श्रेणी की संसद सीट है जिसमें मध्य दिल्ली जिले और पूरे उत्तर पूर्वी दिल्ली जिले और शाहदरा जिले का कुछ हिस्सा शामिल है। 2019 के लोकसभा चुनाव में मनोज तिवारी को 53.90 फीसदी वोट मिले। दिल्ली में लोकसभा चुनाव 25 मई को एक ही चरण में होंगे। दिल्ली में 7 लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा। वोटों की गिनती देशभर में सामूहिक रूप से 4 जून को की जाएगी।

## डॉ. उदित राज ने किया नामांकन

# एकतरफा जीत होगी

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर दिल्ली में होने वाले छठे चरण के मतदान के लिए नामांकन की प्रक्रिया तेज हो गई है। दिल्ली के सभी प्रत्याशी अब इस चुनावी मैदान में आधिकारिक तौर पर अपना दम भरने के लिए नामांकन कर रहे हैं। इसी फेहरिस्त में उत्तर पश्चिम संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के प्रत्याशी डॉ. उदित राज ने अपना नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. उदित राज की नामांकन रैली में बड़ी संख्या में आप व कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. वीरेंद्र सिंह, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष देवेंद्र यादव और दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय भी मौजूद रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. वीरेंद्र सिंह ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा इस चुनाव में 200 सीट भी नहीं जीत पाएगी। वहीं, उदित राज ने कहा कि बीजेपी इस समय घबराई हुई है। मैं अपने काम के आधार पर वोट मांगने जा रहा हूं। गौरतलब है कि दिल्ली में अलग-अलग लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों का नामांकन जारी है। राजनीतिक दलों के प्रत्याशी के अलावा निर्दलीय प्रत्याशी भी नामांकन करने पहुंच रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी रामवीर बिधूड़ी और प्रवीण खंडेलवाल ने भी नामांकन किया। उनके अलावा दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से ट्रांसजेडर प्रत्याशी राजन सिंह का नामांकन भी चर्चा का विषय रहा।

# कांग्रेस उम्मीदवार जयप्रकाश अग्रवाल ने चांदनी चौक से भरा नामांकन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली के चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जयप्रकाश अग्रवाल ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया। जयप्रकाश अग्रवाल का मुकाबला चांदनी चौक से बीजेपी के उम्मीदवार प्रवीण खंडेलवाल से है। नामांकन के दौरान दौरान उनके साथ दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल और कांग्रेस के नेता मौजूद रहे। पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित नौधरा राजनीतिक घटनाक्रम का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां मकान नंबर 1998 आजादी से पहले स्वतंत्रता सेनानियों का अड्डा रहा है।

जयप्रकाश अग्रवाल के पिता लाला रामचरण अग्रवाल इसी घर में रहते थे। वह इसी मकान से आजादी की लड़ाई में 3 चार

फोटो : जगन नेगी

बार जेल गए। फिर उन्होंने साल 1945 में म्युनिसिपल कमिटी का पहला चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। तब से नौधरा का राजनीतिक सफर शुरू हुआ, जो अब तक जारी है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के गठबंधन 'इंडिया' की तरफ से प्रात्याशी जय प्रकाश आग्रवाल ने इसी घर के पते से लोकसभा चुनाव के लिए 10वीं बार नामांकन किया है। नौधरा का मकान नंबर 1998 के इस घर से अब तक करीब 20 इलेक्शन लड़े जा चुके हैं। यह अपने आप में दिल्ली में एक ऐसा मकान है, जहां से इतने चुनाव लड़े जा चुके है। सबसे पहले जयप्रकाश अग्रवाल के पिता ने 1945 में म्युनिसिपल कमिटी का चुनाव जीता था। इसके बाद 1951 में कमिटी के सदस्य बने। फिर 1954 में सदस्य बने। 1958 में दिल्ली म्युनिसिपल कमिटी के मेंबर बने। साल 1962 में फिर मेंबर बने। 1967 में दिल्ली मेट्रोपोलिटन काउंसिल के सदस्य चुने। साल 1983 में जयप्रकाश अग्रवाल को कॉरपोरेशन का मेंबर चुना गया। जयप्रकाश अग्रवाल साल 1984 से अब तक इस मकान से लोकसभा के 10 चुनाव लड़ चुके है। जयप्रकाश अग्रवाल इसी घर से राज्यसभा का चुनाव भी लड़ चुके है। इनका आज भी इसी घर के पते पर इलेक्शन आईकार्ड भी है। हालांकि जयप्रकाश अग्रवाल अभी यहां नहीं रहते हैं, लेकिन उनके परिवार के लोग अभी भी इसी जगह रहते हैं।

अग्रवाल के घर पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी आ चुकी है। जब इनके पिता लाला रामचरण अग्रवाल की मृत्यु हुई थी, तब इंदिरा गांधी भी इस घर पर आई। इसकी तस्वीरें भी आज इस घर में मौजूद है। इतना ही नहीं इस घर में राजनीतिक मीटिंग्स भी होती रही हैं। जब इनके पिता कॉरपोरेशन कमिटी के सदस्य थे, तब कॉरपोरेशन की मीटिंग के बाद तमाम सदस्य घर आकर पॉलिटिकल गपशप करते थे और पुरानी दिल्ली की चाट पकौड़ियों का लुत्फ उठाते थे।

# महाबल मिश्रा-कुलदीप कुमार-सोमनाथ भारती ने नामांकन किया

फोटो : कमलजीत सिंह

दिल्ली में लोकसभा की चार सीटों के लिए आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन के आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इनमें पूर्वी दिल्ली से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार, नई दिल्ली से सोमनाथ भारती, पश्चिमी दिल्ली से कांग्रेस के महाबल मिश्रा और चांदनी चौक संसदीय सीट से जय प्रकाश अग्रवाल ने पर्चा भरा।

नामांकन से पहले सभी उम्मीदवारों ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में समर्थकों के साथ रोड शो कर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत और कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पश्चिमी दिल्ली से आम आदमी पार्टी और आई.एन.डी.आई.ए. के उम्मीदवार महाबल मिश्रा ने पत्रकारों से कहा कि दिल्ली का एक-एक नागरिक अरविंद केजरीवाल है। इस बार लोगों ने आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन के उम्मीदवारों को विजयी बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता में अरविंद केजरीवाल की साजिशन गिरफ्तारी के खिलाफ रोष है, क्योंकि केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को तमाम सुविधाएं दीं। केंद्र सरकार ने उन्हें जेल में बंद कर दिया।

कुलदीप कुमार ने कहा कि दिल्ली की जनता शहीद-ए-आजम की पगड़ी बांधकर तानाशाही के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने निकली है। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहे कितनी भी ताकत लगा ले लेकिन पूर्वी दिल्ली की जनता मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ है और उनकी साजिशन गिरफ्तारी का जवाब अपने वोट से देगी।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए आई.एन.डी.आई.ए. समझौते के तहत आम आदमी पार्टी ने चार सीटों पर जबकि कांग्रेस ने तीन सीटों पर अपने संयुक्त उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। दिल्ली की सभी सात सीटों पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा।

## पूर्वी दिल्ली से प्रत्याशी कुलदीप कुमार मोनू जी के समर्थन में प्रीत विहार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक

जिला कृष्णा नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गुरचरन सिंह राजू द्वारा इंडिया गठबंधन से पूर्वी दिल्ली के सांसद प्रत्याशी कुलदीप कुमार मोनू के समर्थन में प्रीत विहार में आयोजित बैठक में दिल्ली प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी कोर्डिनेटर सुभाष चोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार, लक्ष्मी नगर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी डा. हरीदत्त शर्मा एवं "आम आदमी पार्टी" से दिल्ली सरकार मंत्री आतिशी ने मीटिंग को सम्बोधित किया। जिलाध्यक्ष गुरचरन सिंह राजू ने सभी कार्यकत्ताओं से इण्डिया गठबंधन से पूर्वी दिल्ली के आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार मोनू को भारी बहुमत से जिताने कि अपील की ।

बैठक के दौरान पूर्व निगम पार्षद बंसी लाल, शरणजीत शर्मा, गाँधी नगर के निगम पार्षद, हाजी समीर मंसूरी, सहित अन्य वरिष्ठ नेतागण एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे!!

# 'यूथ विद जे पी' स्लोगन के साथ सैकड़ों युवा जयप्रकाश अग्रवाल से जुड़े

चांदनी चौक लोकसभा सीट से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन के सांझा उम्मीदवार वरिष्ठ नेता जयप्रकाश अग्रवाल का चुनाव प्रचार गति पकड़ चुका है जे पी के चुनाव प्रचार की कमान अब युवाओं ने संभाल ली है। 'यूथ विद जे पी' स्लोगन के साथ सैकड़ों युवा जयप्रकाश के साथ जुड़ गये। इसके अलावा पुरानी दिल्ली सदर बाजार के व्यापारियों और ट्रेडर्स की प्रमुख संस्था फैडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन (फैस्टा) ने जयप्रकाश अग्रवाल को पूर्ण समर्थन देते हुए उन्हें चुनाव में जीत का भरोसा दिलाया। इसके बाद जयप्रकाश की जीत अब करीब- करीब सुनिश्चित मानी जा रही है।

जयप्रकाश अग्रवाल को चुनाव प्रचार में उस समय और अधिक बल मिला जब युवाओं ने उनके साथ जुड़ने की घोषणा की। 'यूथ विद जेपी' स्लोगन के साथ सैकड़ों युवाओं ने गुजरांवाला टाऊन इलाके में स्थित बीकानेरवाला में जयप्रकाश अग्रवाल के साथ मुलाकात की। इस दौरान युवाओं ने जय प्रकाश अग्रवाल के साथ सवाल जवाब किये। अग्रवाल ने युवाओं को कांग्रेस की नीतियों और अपने वीजन विशेष कर युवाओं के लिए उनके मन में क्या योजना है उनके लिए वे क्या सोचते हैं इससे अवगत कराया। अग्रवाल का कहना था कि युवा हमारे देश की नींव और भविष्य है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं के सामने रोजगार और बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण चुनौती है। जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर वे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तलाशेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के युवाओं को रोजगार देने के वायदे, युवाओं को उनका हक देने के इरादे सब झूठे साबित हुए है पिछले 10 सालों में मोदी सरकार ना तो दिल्ली में अच्छे उद्योग ला पाई और ना ही रोजगार का सृजन कर पाई। दिल्ली में बेरोजगारी अपने चरम पर है। जयप्रकाश ने कहा कि तानाशाह और लापरवाह मोदी सरकार के खिलाफ आज जिस तरह देश में माहौल बन रहा है उसे देख लग रहा है कि अब मोदी सरकार का जाना तय है और केंद्र में गठबंधन की सरकार बनना निश्चित है दिल्ली के युवाओं को उनका हक मिलकर ही रहेगा।

सदर बाजार स्थित डिप्टी गंज इलाके में ट्रेडर्स और व्यापारियों की हुई एक बैठक में सदर बाजार की प्रमुख संस्था फैडरेशन का सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन (फैस्टा) ने एक प्रस्ताव पारित कर चुनाव में जयप्रकाश अग्रवाल को पूर्ण समर्थन देने और जिताने का फैसला किया। कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेश जैन, फैडरेशन के चैयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, दिल्ली कैमिकल मर्चेंटस एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता की ओर से बुलाई गई इस बैठक में परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, नेता सुधीर जैन राजेंद्र शर्मा ने सदर बाजार से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं की ओर से अग्रवाल का स्वागत किया साथ ही उन्हें अपनी समस्याओं संबंधी एक ज्ञापन भी सौंपा। अग्रवाल ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि वे भी एक व्यापारी परिवार से है और उनकी समस्याओं से भली-भांति परिचित हैं चुनाव जीतने के बाद वे व्यापारियों और ट्रेडर्स के साथ मिलकर उनकी समस्याओं एंव मुद्दों का समाधान करने में कोई कोर - कसर नहीं छोड़ेंगे और सदर बाजार का विकास करेंगे।

अग्रवाल ने पीतमपुरा इलाके में लोगों के साथ व्यक्तिगत मुलाकात कर की। उन्होंने अशोक विहार, मटिया महल आदि क्षेत्रों में स्थानीय नेताओं, समाज सेवियों और प्रमुख लोगों के साथ मिलकर लोगों से संपर्क किया और चुनाव में समर्थन मांगा।

## ममता ने यूपी में अल्पसंख्यक मतदाताओं को डराने-धमकाने का लगाया आरोप

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं की पिटाई की गई और उन्हें वोट नहीं डालने दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक मतदाताओं को डराया जा रहा है और वोट नहीं डालने दिया जा रहा है। मेरा सवाल यह है कि क्या भारत का चुनाव आयोग इस पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा? आदर्श आचार संहिता का क्या हो रहा है?

वह पुरुलिया लोकसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार शांतिराम महतो के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा और सीपीआई (एम) मिलकर न केवल मौजूदा स्कूल नौकरियों को रद्द करने की साजिश रच रहे हैं, बल्कि कई पदों पर नई नियुक्तियां भी नहीं होने दे रहे हैं।

ममता बनर्जी ने दावा किया कि मैं 10 लाख पदों पर नियुक्तियां देने को तैयार हूं, लेकिन भाजपा और सीपीआई (एम) की साजिश के कारण इस दिशा में आगे नहीं बढ़ पा रही हूं। वे मामले दर्ज कर नई नियुक्तियों को रोक रहे हैं।

सभा में ममता बनर्जी ने एक बार फिर कहा कि वह पश्चिम बंगाल में सीएए, एनआरसी और समान नागरिक संहिता लागू नहीं होने देंगी।

## कवियत्री शोभा सचान के 'कमल फूल उर-वेग के' का लोकार्पण

अमित्र थियेटर, पटेल नगर में अखिल भारतीय साहित्य परिषद गाज़ियाबाद की नगर इकाई के बैनर तले, कवियत्री शोभा सचान के नवीनतम दोहा संग्रह 'कमल फूल उर-वेग के' का लोकार्पण, सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि देश के सुविख्यात कवि दिनेश रघुवंशी ने की। कवयित्री डॉ. रमा सिंह, कवि डॉ, चेतन आनंद ने काव्यपाठ किया। कार्यक्रम में ज्योति किरन राठौर ने भी काव्यपाठ किया और शोभा शोभा सचान ने उन्हें सम्मानित भी किया। मंच पर उपस्थित प्रेम सागर प्रेम, बी. एल. बत्रा अमित्र, डॉ कमलेश संजीदा शोभा सचान एवं मनोज कामदेव सभी ने दोहा संग्रह के बारे में अपने -अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध कवियित्री ममता लड़िवाल ने किया। इस अवसर पर अनेक कवि, कवियत्रियों ने बेहतरीन काव्य पाठ किया।

## सैम पित्रोदा का इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा

चुनाव के बीच विवादित बयानबाजी कर घिरे कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं कांग्रेस ने भी उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसकी जानकारी खुद पार्टी के नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, सैम पित्रोदा ने अपनी मजी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

दरअसल, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह भारत के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों की रंगभेद के जरिए विवादित रूप से तुलना करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में पित्रोदा पूर्वी भारत के लोगों की तुलना चीनी और दक्षिण भारत के लोगों की तुलना अफ्रीकी लोगों से करते नजर आ रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस निशाने पर है। हालांकि पार्टी ने पित्रोदा के बयान से किनारा कर लिया है। सैम पित्रोदा के इस बयान पर अब कांग्रेस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस पार्टी ने पित्रोदा के बयान से खुद को पूरी तरह से अलग कर लिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा है कि सैम पित्रोदा ने एक पॉडकास्ट में भारत की विविधता को दशार्ने के लिए जो तुलना की है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उपमाओं से खुद को पूरी तरह अलग करती है।

# फर्जी यूट्यूब चैनलों-पत्रकारों पर हो सख्त कार्रवाई : अशोक कुमार निर्भय

राजधानी दिल्ली में ऐसे लोगों की बाढ़ आ गई है, जिनका किसी भी अखबार, मीडिया हॉउस अथवा चैनल से कोई सरोकार नहीं है। पत्रकारिता का बेसिक तो छोड़ो पत्रकारिता की परिभाषा तक उनको नहीं पता होती फिर भी वह अपने को पत्रकार कहते और अधिकारियों और आमजन पर अनर्गल दवाब बनाते हैं। कई प्रेस कांफ्रेंसों में पहुंचकर नकली चैनल के आईडी से आयोजकों और पीआर एजेंसी को भ्रमित करके उपहारों पर तो हाथ साफ करते ही हैं वहीं प्रति फर्जी पत्रकार के हिसाब से पैसे की डिमांड तक करते देखे जा सकते हैं।

आज राजधानी दिल्ली में ही कई वाहन चालक भी फर्जी पहचान पत्र लिए घूम रहे हैं और वह आम जनमानस को ब्लैकमेल कर रहे हैं। काफी ऐसे भी हैं जो अवैध निर्माण के नाम पर भी लोगों को परेशान कर उन्हें ब्लैकमेल करने का काम कर रहे हैं। कुछ जुआ सट्टे की फर्जी खबर ट्वीट करके पैसा उगाही में लगे हैं। इसके अलावा अनगिनत वाहन पर प्रेस अंकित है, जबकि इन वाहनों का पत्रकारिता से कोई वास्ता नहीं है। इसलिए जल्द ही ऐसे फर्जी पत्रकारों व अवैध यू-ट्यूब न्यूज चैनल चलाने वालों की जांच कराकर सख्त कार्रवाई की मांग विश्व पत्रकार महासंघ दिल्ली प्रदेश (रजि) केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस कमिशनर समेत दिल्ली के एलजी साहब से करता है।

विश्व पत्रकार महासंघ दिल्ली प्रदेश (रजि) प्रदेश प्रभारी और वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अशोक कुमार निर्भय ने फर्जी यूट्यूब न्यूज चैनलों पर कार्रवाई की मांग उठाते हुए कहा कि इन दिनों चैनलों और अखबारों में काम पत्रकारों को भी यूट्यूब चैनल चला रहे फर्जी पत्रकारों से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल जिन पत्रकारों को पत्रकारिता का अ भी नहीं पता है वे लोग हाथ में माइक लेकर अपने आप को वरिष्ठ पत्रकार कहते हुए राजधानी दिल्ली समेत शहर दर शहर भारत के महानगरों और कस्बों तक में सरेआम बिना किसी रोक-टोक के घूम रहे हैं। ये लोग अपनी गाड़ियों पर बड़े-बड़े शब्दों में प्रेस लिखवाकर इस शब्द का भी दुरुपयोग कर रहे हैं। यूट्यूब चैनल के इन फर्जी पत्रकारों की शिकायतें अब कई राज्यों के पुलिस मुख्यालय तक पहुंचनी शुरू हो गई हैं। हैरानी की बात यह है कि पुलिस की ओर से भी वाहनों पर प्रेस शब्द लिखा कर घूमने वाले लोगों को रोक कर इन के वाहनों की जांच तक नहीं की जा रही है। पत्रकारिता की आड़ में कालाबाजारी करने वाले ऐसे तथाकथित पत्रकार बनकर असल में पत्रकारिता जगत और पत्रकारों की छवि को भी धूमिल कर रहे हैं।

विश्व पत्रकार महासंघ दिल्ली प्रदेश (रजि) के अध्यक्ष विक्रम गोस्वामी का कहना है कि यूट्यूब चैनल चलाने वाले कुछ लोग को प्रिंटिंग प्रेस से आसानी से माइक मिल जाता है। ये लोग वहां कुछ पैसे देकर एक नकली माइक आईडी तैयार कर लेते हैं। इसके बाद यह अपने आप को पत्रकार कहते हुए इंटरनेट मीडिया पर अपनी तस्वीरें वायरल करना शुरू कर देते हैं। बिना किसी बेसिक पत्रकारिता की योग्यता के ही अनपढ़ और पांचवी पढ़े लोग जिनमें खासकर लड़कियां शामिल हैं इससे समाज में रहने वाले लोग इन सबको पत्रकार समझकर इन से धोखा खा जाते हैं। ऐसे प्रिंटिंग प्रेस और यूट्यूब चैनलों और उनके पत्रकारों पर पुलिस की सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इन चैनलों पर बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे चैनलों व उनके कथित फर्जी पत्रकारों को बाइट देने वाले अधिकारियों और नेताओं पर भी कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि वह अनैतिक रूप से समाज में भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

आपको ज्ञात होना चाहिए कि फर्जी पत्रकार बिना वजह इंटरनेट पर गलत पोस्ट वायरल कर के लोगों को गुमराह करते हैं। इस पर राज्य-केंद्र सरकार को शिकंजा कसना चाहिए। उधर, अगर कोई कर्मचारी अपने बड़े अधिकारी की अनुमति के बिना यूट्यूब में फर्जी पत्रकार को बाइट आदि देता है तो ऐसे कर्मचारी के खिलाफ भी 16 सीसीए के अंतर्गत कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे फर्जीवाड़ा करने वाले बेनकाब हो सकते हैं। बिना अखबार के कार्ड व सरकारी कार्ड की जांच के बिना अधिकारियों को भी ऐसे फर्जी यूट्यूब चैनल के कथित पत्रकारों को बाइट नहीं देनी चाहिए।

# सबको पता है भाजपा के भ्रष्ट टेम्पो का 'ड्राइवर' और 'खलासी' कौन है?

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने दो उद्योगपतियों को जितने पैसे दिए हैं, कांग्रेस पार्टी विभिन्न योजनाओं के जरिए भारत की जनता को उतना पैसा देगी, जिसका पार्टी ने वादा किया है। उन्होंने दावा किया, देश जानता है कि भाजपा के भ्रष्टाचार के टेम्पो का ड्राइवर और खलासी कौन है। गांधी ने वीडियो संदेश में कहा, मोदी जी, क्या आप थोड़ा डरे हुए हैं? आम तौर पर आप बंद कमरे में अडानी और अंबानी के बारे में बात करते हैं, लेकिन पहली बार आपने सार्वजनिक रूप से अडानी और अंबानी के बारे में बात की है। उन्होंने कहा, तो आप ये भी जानते हैं कि वे टेम्पो में पैसे देते हैं। क्या यह आपका व्यक्तिगत अनुभव है? कांग्रेस नेता ने कहा, एक

काम करिए – सीबीआई, ईडी को उनके पास भेजिए और पूरी जांच करिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी को चुनौती दी कि वह इस बात की जांच सीबीआई या ईडी से कराएं कि क्या उद्योगपति अडानी और अंबानी ने उनकी पार्टी को टेम्पो से पैसा भेजा है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी पर पलटवार किया, जिसमें मोदी ने एक चुनावी रैली में कांग्रेस नेता पर हमला करते हुए कहा था कि उन्होंने (राहुल) अपने हमलों में अडानी और अंबानी का नाम लेना क्यों बंद कर दिया है और क्या उन्हें इसके बदले में इन उद्योगपतियों से पैसा मिला है। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए गांधी ने एक वीडियो संदेश में पूछा कि क्या मोदी उद्योगपतियों की ओर से भेजे जा रहे पैसों के बारे में अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि पिछले पांच सालों से सुबह उठते ही अंबानी और अडानी के नाम की माला जपने वाले कांग्रेस के शहजादे ने उनसे कितना माल उठाया है जो लोकसभा चुनाव घोषित होते ही उन्होंने उन्हें गाली देना बंद कर दिया। उन्होंने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल का नाम लिए बगैर दाल में कुछ काला होने की आशंका जताई। हैदराबाद से करीब 150 किलोमीटर दूर वेमुलावाड़ा में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने यह दावा भी किया कि देश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के बाद कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के घटक दलों का तीसरा फ्यूज उड़ गया है। उन्होंने कहा कि मतदान के चार चरण शेष हैं और जनता के आशीर्वाद से भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जीत की ओर बढ़ रहा है। मोदी ने कहा, आपने देखा होगा। कि कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी की ओर इशारा करते हुए) पिछले पांच साल से सुबह उठते ही माला जपना शुरू करते थे... पांच साल से एक ही माला जपते थे।

## अगर यूपीए का जंगल राज था, तो एनडीए का राक्षस राज है

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के कार्यकाल को "जंगल राज" कहा जाता है, तो भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए शासन को "राक्षस राज" कहा जा सकता है। पत्रकारों से बात करते हुए, यादव ने कहा कि यूपीए सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, शिक्षा का अधिकार और मनरेगा जैसी कई पहल कीं। उन्होंने दावा किया कि रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल के दौरान रेलवे ने अधिशेष राजस्व अर्जित किया और गरीब रथ जैसी ट्रेनें शुरू की गईं। सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले एसी कोच में यात्रा करने लगे। अगर बीजेपी नेता इसे 'जंगल राज' कहते हैं तो पीएम मोदी के शासनकाल को 'राक्षस राज' बताया जाना चाहिए।



राजद नेता तेजस्वी यादव की 'राक्षसराज' टिप्पणी पर एलजेपी (रामविलास) प्रमुख और हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार चिराग पासवान ने कहा कि जब हम जंगलराज कहते हैं तो उसका एक कारण है, जिस तरह 1990 के दशक में यहां सबसे ज्यादा पलायन, हत्या, बलात्कार, लूट-डकैती हुई, वो जंगलराज था। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा कितने गरीबों को मुख्यधारा से जोड़ा गया है, आंकड़े यही बता रहे हैं... अगर ये लोग ऐसे नियम को 'राक्षसराज' कह रहे हैं, तो ऐसा 'राक्षसराज' ही अच्छा है।

आपक बता दें कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल सत्ता में आए तो देश में 'जंगलराज' होगा। शाह ने यह भी दावा किया कि झारखंड में नकदी बरामदगी से साबित होता है कि 'इंडिया' गुट के नेता भ्रष्ट हैं। बिहार के समस्तीपुर जिले में भाजपा नेता एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, झारखंड में एक मंत्री के घर से 30 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामदगी साबित करती है कि 'इंडिया' गठबंधन के नेता भ्रष्ट हैं।

## शाह के बयान से कांग्रेस में आई जान-राजस्थान में दिखेगा फायदा

अभी देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। तीन चरणों का मतदान हो गया है और 4 चरण शेष हैं। राजनैतिक दल अपनी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। ऐसे ही दावों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के एक बयान ने कांग्रेस में जान फूंकने का काम कर दिया है। कांग्रेस मानकर चल रही है कि कि अब केवल मतों की गिनती बाकी है। शाह ने एक टीवी इंटरव्यू में यह बात स्वीकार की है। शाह के इस बयान के बाद कांग्रेस का आत्मविश्वास बढ़ा है। वहीं उनकी संभावनाओं को काफी बल मिला है। अमित शाह ने स्वीकार किया है कि राजस्थान में कुछ सीटे कम आ रही हैं। उनके बयान से लग रहा है कि इस बार शायद बीजेपी क्लीन स्वीप नहीं कर पाएगी। उन्होंने एक दो सीटों की कटौती होने की संभावना जताई है। अमित शाह के इस बयान के बाद इसके बड़े सियासी संकेत को

समझने की कोशिश की जा रही है। इसी के चलते बायतु विधायक हरीश चौधरी का बड़ा बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस तो राजस्थान में जीत रही है, केवल काउंटिंग ही करना बाकी है। इधर, अमित शाह के बयान से कांग्रेस के नेता काफी आत्मविश्वास से लेबरेज नजर आ रहे हैं। इधर, कांग्रेस को इस बयान से काफी बल मिला है। कांग्रेस के नेता अमित शाह के बयान को लेकर अपनी बड़ी जीत मानने लगे हैं। इसी को लेकर हरीश चौधरी ने भी मीडिया से बातचीत करते हुए दावा किया कि कांग्रेस राजस्थान में बड़ी जीत हासिल कर रही है, केवल 4 जून को काउंटिंग होना बाकी है। इससे पहले गहलोत और पायलट भी राजस्थान में कांग्रेस की डबल डिजिट में जीत हासिल करने का दावा कर चुके हैं।

## 'आप' ने बाइक रैली निकालकर दिल्लीवालों से की 'जेल का जवाब वोट से' देने की अपील

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

आम आदमी पार्टी (आप) ने 'जेल का जवाब वोट से' कैंपेन के तहत बाइक रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के 'आप' प्रत्याशी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में लक्ष्मी नगर के कई इलाकों से होकर रैली गुजरी।

पूर्वी दिल्ली से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कुलदीप कुमार ने समर्थकों के साथ लक्ष्मी नगर में बाइक रैली निकालकर लोगों से संपर्क किया। बाइक रैली से पहले उन्होंने भगत सिंह की प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाई।

कुलदीप कुमार ने कहा कि हम बाइक रैली, रोड शो और डोर-टू-डोर कैंपेन के जरिए

जनता के बीच जाकर उनका आशीर्वाद लेने के लिए निकल रहे हैं। हमारी कोशिश है कि हम हर मतदाता से वोट की अपील करें। बीजेपी ने दिल्ली के लोगों के 10 साल बर्बाद किए हैं और उनके साथ धोखा किया है। अब लोग उसका बदला लेना चाहते हैं। इस चुनाव में वो अपने बेटे अरविंद केजरीवाल के लिए वोट करेंगे।

सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत पर कुलदीप कुमार ने कहा कि बजरंग बली का आशीर्वाद उनके साथ है। भगवान के घर देर हो सकती है, अंधेर नहीं। ईश्वर उनके साथ है, सच्चाई और ईमानदारी की जीत होगी। सीएम अरविंद केजरीवाल जल्द हमारे बीच होंगे।

पार्टी के कैंपेन पर कुलदीप कुमार ने कहा कि हमारा काम जनता के बीच जाकर उनसे वोट की अपील करना है। इसमें हमारे साथ सुनीता केजरीवाल, भगवंत मान और हमारे नेता शामिल होंगे। हम सब जनता के बीच जा रहे हैं और एक-एक व्यक्ति से वोट करने की अपील कर रहे हैं। हमें लोगों को देश और दिल्ली के हालात के बारे में बताना है। हमें उन्हें बताना है कि किस तरह साजिश करके उनके लोकप्रिय मुख्यमंत्री को जेल में डाला गया। दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल के साथ हैं। वो उनकी गिरफ्तारी का बदला लेना चाहते हैं।

## मायावती ने आकाश आनंद को अहम पदों से हटाया

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को दोनों महत्वपूर्ण पदों से हटा दिया है। आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर और बसपा प्रमुख मायावती की उत्तराधिकारी घोषित किया गया था। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, 'विदित हो कि बीएसपी एक पार्टी के साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान तथा सामाजिक परिवर्तन का भी मूवमेन्ट है, जिसके लिए मान्य. श्री कांशीराम जी व मैंने खुद भी अपनी पूरी ज़िन्दगी समर्पित की है और इसे गति देने के लिए नई पीढ़ी को भी तैयार किया जा रहा है।' उन्होंने आगे लिखा, 'इसी क्रम में पार्टी में, अन्य लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही मैंने श्री आकाश आनंद को नेशनल कोओर्डिनेटर व अपना उत्तराधिकारी घोषित किया, किन्तु पार्टी व मूवमेन्ट के व्यापक हित में पूर्ण परिपक्वता आने तक अभी उन्हें इन दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग किया जा रहा है।' मायावती लिखती हैं कि इनके पिता आनंद कुमार पार्टी व मूवमेन्ट में अपनी जिम्मेदारी पहले की तरह ही निभाते रहेंगे। अतः बीएसपी का नेतृत्व पार्टी व मूवमेन्ट के हित में एवं बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने में हर प्रकार का त्याग व कुबार्नी देने से पीछे नहीं हटने वाला है।

# अमेठी से गांधी परिवार का नाता कभी नहीं टूटा

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

भाजपा नेताओं पर अमेठी के लोगों को गांधी परिवार के खिलाफ करने का आरोप लगाते हुए, एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि कुछ समय के लिए वे (अमेठी के लोग) प्रतिद्वंद्वियों की बातों से प्रभावित हो गए और राहुल गांधी के खिलाफ मतदान किया, जिससे 2019 में उनकी हार हुई, लेकिन उनके संबंध गांधी परिवार से कभी नहीं टूटे। देर रात अमेठी में पार्टी कार्यकताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा, 'भाजपा ने लोगों को गुमराह करने और उन्हें हमारे खिलाफ भड़काने की कोशिश की और कहा कि हम केवल उनकी जमीन और संपत्ति हड़पना चाहते हैं। नतीजतन, आप में से कुछ लोग बहकावे में आ गए और राहुल जी 2019 में हार गए। मेरे परिवार और आपके बीच पुराने संबंध कुछ समय के लिए खत्म हो गए लेकिन वे कभी टूटे नहीं।

प्रियंका ने भाजपा नेताओं पर झूठ और नाटक करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अपने भाषणों में मंगलसूत्र और एक्स-रे की भाषा को देखें। दरअसल, उनमें यह बताने की हिम्मत नहीं है कि उन्होंने अब तक कितनी नौकरियां दी हैं। उन्हें 70 साल के कांग्रेस शासन की निंदा करने के बजाय लोगों को बताना चाहिए कि उनकी सरकार ने पिछले दशक के दौरान कितना विकास किया है। भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी का नाम लेते हुए प्रियंका ने कहा कि वह (स्मृति) गांधी परिवार और अमेठी के लोगों के बीच संबंधों के लोकाचार और गहराई को कभी नहीं

समझ सकतीं। प्रियंका गांधी ने अमेठी में पार्टी कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि मैं ये चुनाव जीतकर ही वापस जाऊंगी। मैं अमेठी की इस पवित्र धरती पर सही राजनीति वापस लेकर आऊंगी।

उन दिनों को याद करते हुए जब वह 1999 में अमेठी में अपनी मां सोनिया गांधी के अभियान का प्रबंधन करती थीं, प्रियंका ने कहा कि उस समय कांग्रेस का कोई संगठन नहीं था। उन्होंने कहा कि सोनिया के चुनाव प्रबंधन के दौरान उन्हें इस बात का एहसास हुआ कि अमेठी के लोगों और उनके परिवार के बीच प्यार, स्नेह और सम्मान के रिश्ते कितने गहरे थे, उनके पिता के लिए उनके मन में कितना सम्मान था। उन्होंने कहा, "मैं महसूस कर सकती हूं कि ऐसे संबंधों का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए।"

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, "राजनीति ने एक ऐसा मोड़ ले लिया जिसके लिए हम अयोग्य थे क्योंकि यह हमारे 'संस्कारों' के विपरीत था। हमसे कहा गया कि लोगों से झूठ न बोलें, लोगों का सम्मान करें क्योंकि वे सर्वोच्च हैं। हम राजनीति के एक नए ब्रांड के उद्भव को देख रहे थे जो लोगों की भावनाओं का उपयोग कर रहा था, वास्तविक मुद्दों से निर्दोष जनता का ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रवचन को धर्म केंद्रित बना रहा था।

## इंडिया गठबंधन प्रत्याशी कुलदीप कुमार मोनू की जनसंपर्क रैली में उमड़ा जनसैलाब

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के सांसद प्रत्याशी कुलदीप कुमार मोनू ने शकरपुर, स्कूल ब्लॉक, पांडव नगर, साउथ गणेश नगर, मंडावली क्षेत्र में जनसंपर्क रैली करते हुए अपने लिए क्षेत्रीय मतदाताओं से वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए यह मतदान बड़ा महत्वपूर्ण है इसलिए इंडिया गठबंधन को जिताए। यह रैली विकास मार्ग शकरपुर से होकर विभिन्न ब्लॉकों से होते हुए मंडावली क्षेत्र में संपन्न हुई। इस विशाल रैली में आप पार्टी के पूर्व विधायक नितिन त्यागी ने कहा कि अपनी मनमानी करते भारतीय जनता पार्टी ने एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में डालकर गलत काम किया है जिसका जवाब देश की जनता अपने वोट के द्वारा देगी।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लीगल ह्यूमन राइट्स विभाग के महामंत्री एडवोकेट हरीश गोला ने कहा देश को तोड़ने वाली ताकतों से अपने वोट के द्वारा मुकाबला करना है और इस चुनाव में इंडिया गठबंधन

के प्रत्याशी को भारी मतों से विजय बनाएं जिस से देश को बचाया जा सके। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी में चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक शर्मा ने कहा पूरे क्षेत्र में कुलदीप कुमार के लिए पूरा हर्षोल्लास है और मतदाता निसंदेह इंडिया के प्रत्याशियों को जिताएगा और इस से देश को तोड़ने वाली ताकतों का सफाया होगा। पूर्व निगम प्रत्याशी शरद दीक्षित ने कहा कि विभिन्न सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चुनाव में हराने की आवश्यकता है जिस देश के अस्तित्व को बचाया जा सके। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व निगम पार्षद शरणजीत शर्मा, आप पार्टी से पूर्व निगम प्रत्याशी विजय सिसोदिया, कांग्रेस के पूर्व निगम प्रत्याशी प्रवीण शर्मा, कांग्रेस नेता नितिन माथुर, योगेश शर्मा, कांग्रेस नेता रंजीत सिंह लुहेरा, किसान कांग्रेस से महावीर तोमर, ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष जगदीश कुमार, किसान कांग्रेस सदस्य किशोरी तोमर, जिला कांग्रेस उपाधयक्ष महेश चंद शर्मा, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रूपेंद्र शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयपाल वर्मा, जिला कांग्रेस महासचिव जोगिंदर सिंह जोगी, समाजसेवी गंगा सिंह अधिकारी,कांग्रेस नेता राजपाल सिंह, शकरपुर गांव से जयवीर त्यागी, आप पार्टी से मुख्यतः आप पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अमृत नाथ शुक्ला, रितेश कुमार, विकास शर्मा, आप पार्टी से प्रेस इंचार्ज मनीष शर्मा, आप नेता डा ब्रह्म प्रकाश, आप पार्टी पूर्वांचल प्रकोष्ठ में प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व निगम प्रत्याशी आर पी सिंह, डब्लू बी ब्लॉक आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विनोद नौटियाल, आप पार्टी लक्ष्मी नगर अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, डब्ल्यू ए ब्लॉक गुरुद्वारे में सरदार दलजीत सिंह और सरदार मंगल सिंह द्वारा पांडव नगर में इंडिया गठबंधन सांसद प्रत्याशी कुलदीप कुमार को सरोपा भेंटकर सुनिश्चित जीत के लिए अरदास की गई। राधा कृष्ण मंदिर शकरपुर में भी कुलदीप कुमार मोनू ने प्रार्थना की । इस मौके पर जगदीश कपूर, डब्लू ए ब्लॉक आरडब्लूए के अध्यक्ष आरके शर्मा, आप नेता अवनीश त्यागी, अंशुल वर्मा, श्रीमती अनिता पीपल, श्रीमती मधु शर्मा, श्रीमती गीता सहित सैकड़ों लोगों ने जनसंपर्क रैली में उपस्थिति रहे।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को निशाने पर लिया है। उन्होंने दावा किया कि 4 जून को एनडीए की सरकार गिरने जा रही है। तेजस्वी पटना में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जानते हैं कि बिहार और देश की जनता तानाशाह सरकार को हटाना चाहती है। तीसरे चरण के चुनाव में हम लोग बहुत अच्छे पोजीशन में हैं। चुनाव के पहले जो लोग कुछ और समझते थे वे लोग उंगली चबाने का काम कर रहे हैं। हम लोग पूरी तरह से कॉन्फिडेंस में हैं कि 4 जून को एनडीए की सरकार गिरने जा रही है। लालू यादव पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से की गई टिप्पणी पर तेजस्वी ने कहा कि पीएम मोदी कब लालू यादव के खिलाफ नहीं बोलते हैं। पीएम मोदी दिन भर हम लोगों के खिलाफ बोलते रहते हैं। आप देखिए ना हमको दूसरे राज्य में जाकर गाली दे रहे हैं। वह घबराये हुए हैं, डरे हुए हैं, वो केवल झूठ बोलते हैं। आरक्षण के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जातिगत जनगणना के बाद जो आरक्षण बढ़ाया है उसे नवमी सूची में शामिल क्यों नहीं किया गया? पीएम मोदी देश के संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री के कथनी करनी में भारी अंतर है। प्रधानमंत्री जी को धर्मशास्त्र सीखना है। धर्म के साथ-साथ कर्म की भी बातें आप करें कि 10 साल आपने क्या किया, आपने बिहार के लिए क्या किया ?

## वेब पत्रकारों की सबसे बड़ी संस्था WJSA का हुआ पुनर्गठन

देश की सबसे बड़े वेब पत्रकारों के संगठन वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय से निबंधित स्व नियामक इकाई वेब जर्नलिस्ट्स स्टैंडर्ड अथॉरिटी (डबल्यूजेएसए) का पुनर्गठन करते हुए प्रो. संजय द्विवेदी पूर्व महानिदेशक भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली और पूर्व प्रभारी कुलपति माखनलाल चतुवेर्दी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल को चेयरमैन मनोनीत किया है। बिहार के सेवानिवृत्त आईपीएस कथाकार, कवि एवं लेखक ध्रुव नारायण गुप्त को सेवानिवृत्त पुलिस उच्चाधिकारी मानद सदस्य और सेवानिवृत्त आईएएस ओम प्रकाश यादव को सेवानिवृत्त प्रशासनिक उच्चाधिकारी मानद सदस्य मनोनीत किया गया है।

केंद्र सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा अपने न्यूज पोर्टल सदस्यों के साथ

आईटी इंटरमेडिएरी गाईड लाईन्स व डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड 2021 की धारा 12 के तहत निबंधित सात सदस्यीय इस एसआरबी में देश के वरिष्ठ पत्रकार उदय चन्द्र सिंह को वरिष्ठ पत्रकार मानद सदस्य और पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता किंकर कुमार को मानद विधिक सदस्य की जिम्मेदारी दी गयी है। पूर्व की भांति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार आनन्द कौशल और राष्ट्रीय महासचिव पत्रकार अधिवक्ता रंगकर्मी डॉ अमित रंजन को कार्यालयी सदस्य मनोनीत किया गया है। यह पुनर्गठन संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा किया गया है।

पटना में स्व नियामक इकाई डबल्यूजेएसए की घोषणा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द कौशल ने सभी महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी नियामक इकाई डबल्यूजेएसए इन महानुभावों के साथ वेब पत्रकारिता में पत्रकारिता के उच्च आदर्शों को स्थापित करेगी बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की वेब पत्रकारिता को नये आयाम प्रदान करेगी। राष्ट्रीय महासचिव डॉ अमित रंजन ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर स्वतः सिद्ध पत्रकारिता के अध्यापक ही जब स्व नियामक इकाई के चेयरमैन हैं तब सामाजिक, प्रशासनिक, पुलिसिंग, पत्रकारिता और विधि से जुड़े महानुभावों से सज्जित यह इकाई देश विदेश में वेब पत्रकारिता को वैश्विक पहचान दिलाएगी।

## मोदी धर्म के नाम पर मांग रहे वोट

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी धर्म के नाम पर जनता से वोट मांग रहे हैं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी धर्म के नाम पर लोगों से वोट मांग रहे हैं। ताज्जुब तो इस बात को लेकर है कि उम्मीदवार उन्हें खुद बुला रहे हैं और उन्हें इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि उनका कोई स्टार कैंपेनर धर्म के नाम पर उनके संसदीय क्षेत्र में वोट मांग रहा है।

उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी विवादित मुद्दों को लेकर अपने लिए सत्ता का सेतु तैयार कर रहे हैं, जो कि किसी भी मायने में उचित नहीं है।

सिब्बल ने महिलाओं और बच्चों को लेकर प्रधानमंत्री की खामोशी पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री बच्चों और महिलाओं के मामले में हमेशा ही चुप्पी साधे रहते हैं। मणिपुर में महिलाओं के साथ इतना बड़ा अत्याचार हो गया, लेकिन प्रधानमंत्री ने एक शब्द तक नहीं कहा।

वहीं, महिला पहलवानों ने जिस पर यौन शोषण का आरोप लगाया, उसी के बेटे को बीजेपी ने टिकट दे दिया। कपिल सिब्बल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में अस्पतालों के लिए भी कुछ नहीं किया।

# हरियाणा में गहराया सियासी संकट: 3 निर्दलीय विधायकों ने सैनी सरकार से वापस लिया समर्थन

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगता हुआ दिखाई दे रहा है। तीन स्वतंत्र विधायक जो पहले भाजपा के पक्ष में थे, ने अब अपना समर्थन वापस ले लिया है और कांग्रेस को समर्थन दे दिया है।

पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदय भान ने जानकारी दी है कि दादरी से विधायक सोमबीर सांगवान, नीलोखेड़ी से विधायक धर्मपाल गोंदर और पुंडरी से रणधीर गोलन ने कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान किया है।

हरियाणा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने वाले निर्दलीय विधायक रणधीर गोलन ने कहा, "पिछले 4.5 वर्षों से हमने भाजपा को समर्थन दिया है। आज बेरोजगारी और महंगाई अपने चरम पर है। इसे देखते हुए, हम हमने (सरकार से) अपना समर्थन वापस ले लिया है।" हरियाणा के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि लोगों को वर्तमान सरकार पर भरोसा नहीं है और यह देखते हुए कि इन लोगों ने अपना समर्थन वापस ले लिया है और कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला किया है।

हुडा ने कहा कि उनका फैसला सही है, सही समय पर लिया गया सही फैसला है। ये जनता के हित में है...कांग्रेस की लहर है। मैं उनका स्वागत करता हूं। कुछ (निर्दलीय) विधायकों द्वारा हरियाणा सरकार से समर्थन वापस लेने और कांग्रेस को समर्थन देने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर, हरियाणा के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह जानकारी मुझे मिली है। हो सकता है कि कांग्रेस अब कुछ लोगों की इच्छा पूरी करने में लगी हो। कांग्रेस को जनता की इच्छाओं से कोई लेना-देना नहीं है। तीन निर्दलीय विधायकों के हरियाणा सरकार से समर्थन वापस लेने पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि मुझे इसके बारे में पता चला, मैंने वह रिपोर्ट देखी लेकिन मेरे पास इसकी जानकारी नहीं है... जानकारी मिलने पर हमारे लोग आपको बयान देंगे। हमारी कोई भी सरकार खतरे में नहीं है...मुझे यह भी पता नहीं है कि यह खबर सच है या गलत। सांसद दीपेंद्र सिंह हुडडा ने कहा कि प्रदेश (हरियाणा) में हालात बीजेपी के खिलाफ हैं, प्रदेश में बदलाव तय है। बीजेपी सरकार बहुमत खो चुकी है। उन्होंने 48 विधायकों की जो सूची दी थी, उनमें से कुछ विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है क्योंकि वे लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं और कुछ निर्दलीय विधायकों ने भाजपा से अपना समर्थन वापस ले लिया है और कांग्रेस को अपना समर्थन दिया है। इसलिए अल्पसंख्यक विधायकों को कोई अधिकार नहीं है।

# दुष्यंत चौटाला ने विधानसभा में शक्ति परीक्षण की मांग की

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हरियाणा में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता और भाजपा के पूर्व सहयोगी दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए वर्तमान हरियाणा सरकार के लिए फ्लोर टेस्ट की मांग की। यह घटनाक्रम तीन निर्दलीय विधायकों द्वारा कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन देने का वादा करते हुए भाजपा सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के ठीक दो दिन बाद आया है। अपने पत्र में उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया है कि सरकार को बहुमत साबित करने के लिए तुरंत फ्लोर टेस्ट बुलाया जाए और अगर सरकार ऐसा करने में विफल रहती है तो राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। विकास और पार्टी के स्पष्ट रुख को देखते हुए, यानी, जेजेपी, जो वर्तमान सरकार को अपना समर्थन नहीं देती है और सरकार बनाने के लिए किसी भी अन्य राजनीतिक दल को समर्थन देने के लिए तैयार है, यह स्पष्ट है कि मौजूदा सरकार के पास अब कोई कमान नहीं है।

कांग्रेस को कदम उठाना होगा

उन्होंने कहा राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि वर्तमान राज्य सरकार अल्पमत में है। इसे देखते हुए, मैंने हरियाणा के राज्यपाल को पत्र लिखकर उनसे विधानसभा में फ्लोर टेस्ट बुलाने का अनुरोध किया है। हम मौजूदा सरकार का समर्थन नहीं करते हैं और हरियाणा में सरकार बनाने के लिए किसी भी अन्य राजनीतिक दल को समर्थन देने के लिए हमारे दरवाजे खुले हैं।

उन्होंने आगे कहा कि अब यह कांग्रेस पर निर्भर है कि वह फ्लोर टेस्ट की मांग करके यह कदम उठाए और राज्यपाल के पास यह निर्धारित करने के लिए फ्लोर टेस्ट का आदेश देने का अधिकार है कि सरकार के पास आवश्यक ताकत है या नहीं। यदि यह बहुमत समर्थन प्रदर्शित करने में विफल रहता है, तो राज्यपाल तुरंत राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा सकता है।

उन्होंने कहा दो महीने पहले बनी सरकार अब अल्पमत में है क्योंकि उन्हें समर्थन देने वाले दो विधायकों - एक भाजपा से और दूसरा एक स्वतंत्र विधायक ने इस्तीफा दे दिया है। तीन निर्दलीय विधायक जो उनका समर्थन कर रहे थे, उन्होंने अपना समर्थन वापस ले लिया है। जेजेपी उन्होंने साफ कहा है कि अगर इस सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है, तो हम प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। हमने इस बारे में राज्यपाल को भी लिखा है, अब कांग्रेस को यह कदम (फ्लोर टेस्ट की मांग) उठाना होगा यह देखने के लिए कि सरकार के पास ताकत है या नहीं, उसके पास शक्ति परीक्षण का आदेश देने की शक्ति है और यदि उसके पास बहुमत नहीं है तो राज्य में तुरंत राष्ट्रपति शासन लागू करें।

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली की हॉट सीट उत्तर-पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार चुनाव लड़ रहे है। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को कांग्रेस आलाकमान ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट का ऑब्जर्वर बनाया है। जबकि दिल्ली की एक और चर्चित चांदनी चौक लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने डॉ. सीपी जोशी को ऑब्जर्वर बनाया है।

कांग्रेस आलाकमान ने सचिन पायलट को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है। पायलट देश भर में पार्टी के लिए प्रचार कर रहे है। उत्तरी-पूर्वी दिल्ली सीट का पर्यवेक्षक बनाने से साफ है कि कन्हैया कुमार को जिताने की जिम्मेदारी पायलट के कंधों पर रहेगी। दिल्ली की सबसे चर्चित सीट है। यहां से बीजेपी की तरफ से मनोज तिवारी चुनाव लड़ रहे है। जबकि कांग्रेस ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार को टिकट दिया है। इससे पहले कांग्रेस आलाकमान ने छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को रायबरेली और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत को अमेठी का वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया गया था। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को चुनावी मैदान में उतारा है। उनका मुकाबला मनोज तिवारी से है, जबकि चांदनी चौक से कांग्रेस ने जेपी अग्रवाल को चुनावी मैदान में उतारा है। यहां उनका मुकाबला भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल से है। सचिन पायलट और सीपी जोशी इन दोनों सीटों पर चुनाव प्रबंधन और प्रचार अभियान का जिम्मा संभालेंगे। दिल्ली की दो चर्चित सीटों पर ऑब्जर्वर बनाए गए सचिन पायलट और डॉ. सीपी जोशी को पार्टी ने अहम जिम्मेदारी दी है। सचिन पायलट राजस्थान की कई लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार में सक्रिय रहे। इसके अलावा वे छत्तीसगढ़ के प्रभारी महासचिव भी हैं। उन्होंने देश के कई अन्य प्रदेशों में भी चुनावी रैलियां और रोड शो किए है।

# दिल्ली एलजी ने की केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश

कथित शराब घोटाले की वजह से जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की मुसीबत कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। अब दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की है। एलजी को शिकायत मिली थी कि आप और इसके मुखिया ने खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से फंडिंग ली है। सूत्रों के मुताबिक एक अप्रैल को आशू मोंगिया नाम के एक व्यक्ति ने एलजी वीके सक्सेना को पत्र लिखकर जांच की मांग की थी। मोंगिया खुद को वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन का महासचिव बताते हैं। आम आदमी पार्टी के सदस्य रहे मुनीष रायजादा ने भी एलजी से जांच की मांग की थी। अब राजभवन ने गृहमंत्रालय से जांच की सिफारिश की है। मोंगिया का कहना है कि उन्होंने वॉट्सएप पर एसएफजे के गुरपतवंत सिंह पन्नू का वीडियो देखा था जिसमें उसने दावा किया था कि केजरीवाल ने आतंकी भुल्लर को छोड़ने का वादा करते हुए 16 मिलियन डॉलर की फंडिंग ली थी। मोंगिया का कहना है कि वॉट्सएप पर वीडियो देखने के बाद उन्होंने शिकायत करने का फैसला लिया। आम आदमी पार्टी का कहना है कि मोंगिया बीजेपी नेता हैं। मोंगिया इससे इनकार करते हुए खुद को एक हिंदू संगठन का नेता बताते हैं।

राजभवन की ओर से गृहमंत्रालय को भेजे गए पत्र में आप के पूर्व नेता मुनीश रायजादा का भी जिक्र किया गया है। अमेरिका के शिकागो में डॉक्टर रायजादा 2015 तक आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी थे। संगठन की गतिविधियों को लेकर एक वेबसाइट बनाने की वजह से आप से उन्हें निकाल दिया गया था। पन्नू के वीडियो के बाद उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट करके केजरीवाल पर कई आरोप लगाए थे। एलजी को केजरीवाल के खिलाफ शिकायत के साथ एक पेन ड्राइव भी सौंपी गई है, जिसे अब जांच के लिए भेजा गया है। दरअसल, पन्नू ने एक वीडियो जारी करके दावा किया था कि आम आदमी पार्टी ने 2014 से 2022 के बीच उससे 16 मिलियन यूएस डॉलर (करीब 134 करोड़) रुपए की फंडिंग ली थी। पन्नू ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने आतंकी देवेंद्र पाल सिंह भुल्लर को जेल से रिहा करने का भरोसा दिया था, जिसे पूरा नहीं किया। वहीं, आम आदमी पार्टी ने एलजी की ओर से की गई जांच की सिफारिश को अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई साजिश करार दिया है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी दिल्ली में सभी सात सीटों पर हार रही है इसलिए वह हमारे नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई-नई साजिश रच रही है।

# आम आदमी पार्टी के मुख्यालय के बाहर भाजपा का प्रदर्शन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा कथित तौर पर धन लिए जाने के मामले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की सिफारिश को लेकर डीडीयू मार्ग स्थित आप मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने अवरोधक लगाकर रोक दिया। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया, हम जानते हैं कि आप भ्रष्ट है लेकिन यह सबसे शर्मनाक है कि पार्टी ने एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से भी धन लिया। उन्होंने कहा कि पार्टियों के बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सचदेवा ने मांग की, देश विरोधी ताकतों से हाथ मिलाने वालों पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

उपराज्यपाल ने उस शिकायत पर केजरीवाल के खिलाफ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराए जाने की सिफारिश की है जिसमें कहा गया है कि आप को कथित तौर पर सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) से धन मिला था। आप ने आरोप को खारिज कर दिया है। पार्टी का कहना है कि यह सिफारिश केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर केजरीवाल के खिलाफ रची गई एक और साजिश का हिस्सा है।

# वो छः श्राप जो रावण के विनाश का कारण बने

रावण के बारे में कौन नहीं जनता, उसकी वीरता सर्व-विख्यात थी। उसे सप्तसिंधुपति कहा जाता था क्यूंकि उसने सातों महाद्वीपों पर विजय पायी यही। उसे परमपिता ब्रम्हा का वरदान प्राप्त था और उसपर महारुद्र की विशेष कृपा थी। यही कारण था कि उससे युद्ध करने का कोई साहस नहीं करता था। यही नहीं, उसने समस्त देवताओं पर विजय पायी थी और नवग्रह उसके वश में थे।

सभी गृह उसकी इच्छा से चलते थे इसीलिए वो अपनी मृत्यु का योग बदल सकता था। शनि को उसने अपने दरबार में अपने पैरों के नीचे रखता था। इतने प्रतापी और वीर असुर की मृत्यु अवश्य ही अत्यंत कठिन थी इसी कारण प्रकृति ने उसके लिए कोई और उपाय सोचा। रावण को अपने जीवन में कई ऐसे श्राप मिले जो आगे चलकर उसकी मृत्यु का कारण बनें, किन्तु ६ श्रापों का विशेष रूप से वर्णन है:

इक्षवाकु कुल में एक श्रीराम के एक पूर्वज अनरण्य हुए। उस समय रावण युवा था और विश्व विजय के अभियान पर निकला था। उसी दौरान उसका सामना अनरण्य से हुआ। उन्होंने रावण को रोकने की बड़ी कोशिश की किन्तु अंततः रावण से पराजित हुए। रावण ने उनका वध कर दिया किन्तु मरते-मरते उन्होंने रावण को श्राप दिया कि उनके ही वंश में जन्मा एक व्यक्ति उसका वध करेगा। उनका श्राप सत्य हुआ और आगे चल कर श्रीराम ने रावण का वध किया।

एक बार रावण महादेव से मिलने कैलाश गया। उस समय महादेव समाधि में लीन थे इसीलिए नंदी ने रावण को आगे जाने से रोक दिया। इसपर उसने नंदी को देखकर उनके स्वरूप की हंसी उड़ाई और उन्हें वानर के समान मुख वाला कहा। तब नंदी ने रावण को श्राप दिया कि वानरों के कारण ही तेरा सर्वनाश होगा। आगे चलकर सुग्रीव की वानर सेना ने श्रीराम की सहायता की जिससे रावण का सर्वनाश हुआ।

वैजयंतपुर के सम्राट दैत्यराज शंभर माया के पति थे। माया मय दानव की पुत्री और रावण की पत्नी मंदोदरी की बड़ी बहन थी। एक बार रावण वैजयंतपुर दैत्यराज शंभर के यहां गया। वहाँ वो माया के रूप पर मोहित हो गया और माया भी रावण के रूप पर मोहित हो गयी और दोनों के बीच सम्बन्ध बन गए। जब शंभर को इसकी सूचना मिली तो उसने रावण को को बंदी बना लिया। उसी समय शंभर पर राजा दशरथ ने आक्रमण कर दिया और उस युद्ध में शंभर की मृत्यु हो गई। जब माया सती होने लगी तो रावण ने उसे रोकना चाहा पर माया ने उसे श्राप दिया कि तुमने वासनायुक्त मेरा सतित्व भंग करने का प्रयास किया इसलिए मेरे पति की मृत्यु हो गई। अतः तुम भी स्त्री की वासना के कारण मारे जाओगे।

एक बार भ्रमण करते हुए रावण की दृष्टि वेदवती नाम की एक स्त्री पर पड़ी जो भगवान विष्णु को पति के रूप में पाने के लिए तप कर रही थी। रावण ने उससे प्रणय याचना की किन्तु वेदवती ने खुले तौर पर मना कर दिया। इसपर रावण ने उसके केश पकडे और घसीटे हुए बलपूर्वक अपने साथ ले जाने लगा। इसपर उस तपस्विनी ने उसी क्षण अपनी देह त्याग दी और रावण को श्राप दिया कि एक स्त्री के कारण ही तेरी मृत्यु होगी। कहा जाता है वेदवती ही अगले जन्म में सीता के रूप में जन्मी थी जिस कारण रावण का सर्वनाश हुआ।

रावण ने इंद्र पर आक्रमण किया और स्वर्गलोक पहुँचा। वहाँ उसे रम्भा नमक अप्सरा दिखाई दी। अपनी वासना पूरी करने के लिए रावण ने उसे पकड़ लिया। तब उस अप्सरा ने कहा कि आप मुझे इस तरह से स्पर्श न करें क्यूँकि मैं आपके बड़े भाई कुबेर के बेटे नलकुबेर के लिए आरक्षित हूं अतः मैं आपकी पुत्रवधू के समान हूं किन्तु रावण नहीं माना और उसने रंभा से दुराचार किया। यह बात जब नलकुबेर को पता चली तो उसने रावण को श्राप दिया कि आज के बाद रावण बिना किसी स्त्री की इच्छा के उसको स्पर्श करेगा तो रावण का मस्तक सौ टुकड़ों में बंट जाएंगे। यही कारण था कि सीता का अपहरण करने के बाद भी रावण ने उसे स्पर्श नहीं किया।

रावण की बहन सूर्पनखा ने रावण की इच्छा के विरूद्ध एक दैत्य विद्युत्जिह्व से विवाह कर लिया। वो कालकेय दैत्यों का सम्राट था। रावण जब विश्वयुद्ध पर निकला तो कालकेय से उसका युद्ध हुआ और उस युद्ध में रावण ने विद्युत्जिह्व का वध कर दिया। जब सूर्पनखा उसके साथ सती होने तो रावण ने उसे रोक दिया और बलपूर्वक लंका ले आया। बाद में उसे समझा-बुझा कर खर-दूषण के साथ दंडकारण्य का राज्य दे दिया। तब शूर्पणखा ने मन ही मन रावण को श्राप दिया कि मेरे ही कारण तेरा सर्वनाश होगा। कहा जाता है कि सूर्पनखा दंडकारण्य में जान-बूझ कर राम-लक्ष्मण से उलझी ताकि रावण का सर्वनाश हो सके।

# ये गलतियां पूजा करते वक्त पड़ सकती हैं भारी

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। पूजा-पाठ करते वक्त पूरे विधि-विधान का ध्यान रखना जरूरी होता है। यदि विधि-विधान से पूजा न की जाए,तो उसे पूर्ण नहीं माना जाता है। ऐसे में पूजा करते वक्त जहां एक ओर कुछ बातों का खास ध्यान देना चाहिए। तो वहीं, दूसरी ओर पूजा करते वक्त गलतियां न हों इसका भी ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको उन गलतियों के बारे में बताएंगे जिन्हें करने से भगवान रुष्ट हो सकते हैं। अगर आप भी यह गलतियां कर रहे हैं, तो तुरंत इसमें बदलाव करें।

1. पूजा की शुरूआत कर रहे हैं, तो सबसे पहले भगवान गणेश का पूजन करें तभी सफलता प्राप्त होगी। गणेश जी को तुलसी दल कभी भूल कर भी अर्पित न करें। ऐसा करने से दोष लगता है।

2. शिव जी की पूजा कर रहे हैं, तो ध्यान दें कि उन्हें कभी भी केतकी का फूल न अर्पित करें। पौराणिक कहानियों की मानें तो भगवान शिव ने केतकी को एक श्राप दिया था और वे उनसे रुष्ट रहते हैं। ऐसे में उन्हें केतकी का फूल न चढ़ाएं तो सही रहेगा।

3. पूजा से पूर्व जब भगवान की मूर्तियों को स्नान करवाते हैं, तो सिर्फ उंगलियों का इस्तेमाल करें। उन्हें स्नान करवाते वक्त अंगूठे का इस्तेमाल न करें। यदि इस दौरान अंगूठे का उपयोग किया तो काम बनते-बनते बिगड़ सकते हैं।

4. पूजा के दौरान दीपक जलाएं तो उसे हमेशा भगवान की चौकी पर ही रखें। उसे धरती पर न रखें, इसे अशुभ माना गया है।

5. हिंदू धर्म में पूजा के वक्त अगरबत्ती का उपयोग वर्जित है। दरअसल, अगरबत्ती बांस की लकड़ी से बनाई जाती है। बता दें कि बांस की लकड़ी का इस्तेमाल हिंदू धर्म में अंतिम संस्कार के लिए किया जाता है।

6. यदि तुलसी जी की पूजा प्रतिदिन करते हैं, तो रविवार के दिन ऐसा करने से बचें। रविवार के दिन तुलसी को हाथ नहीं लगाया जाता है। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होने की बजाय रुष्ट हो जाएंगे।

7. शालिग्राम जी की पूजा करें तो ध्यान रहे कि इन्हें कभी अक्षत न चढ़ाएं। ऐसा करना पाप करने के बराबर माना जाता है।

*संकलन: ज्योति राठौर*

## राशिफल साप्ताहिक
12 से 18 मई 2024

**मेष:** इस सप्ताह करियर में अपना दायरा बढ़ाने में सफल रहेंगे, कार्यक्षेत्र में कई कामों की कमांड अपने हाथों में ले सकते हैं। व्यापारी वर्ग की बात करें तो व्यवसाय में वर्चस्व स्थापित करने में आपको सफलता मिलने वाली है। युवा वर्ग यदि प्रेम प्रसंग में है, तो आपकी ओर से रिश्ते में ज्यादा ईमानदारी देखने को मिलेगी।

**वृषभ:** जिन लोगों की नई नौकरी की जॉइनिंग सप्ताह के पहले दिन होनी है, उनके लिए ऐसा करना अनुकूल रहेगा। यदि व्यापारी वर्ग निवेश करने की योजना बना रहें है, तो उन्हें विदेश में संपत्ति खरीदने के अच्छे मौके प्राप्त हो सकते हैं। ऐसे विद्यार्थी जो आगे की शिक्षा विदेश में करना चाहते हैं, उन्हें इससे जुड़े कुछ अवसर प्राप्त होने की प्रबल संभावना है।

**मिथुन:** राशि के लोग न केवल योजना बनाने बल्कि उस पर योजना पर कार्य करने के लिए भी तैयार हो जाए। आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह व्यापारी वर्ग के लिए अनुकूल नहीं है, क्योंकि आपके हाथ सौदे तो लगेंगे लेकिन उसमे मुनाफे की जगह नुकसान उठाना पड़ेगा। युवा वर्ग पैसे कमाने में तो कामयाब रहेंगे, लेकिन फिजूल खर्च के चलते आपका धन बर्बाद भी हो सकता है।

**कर्क:** इस राशि के लोगों पर काम का दबाव बढ़ने वाला है, जो कभी-कभी आपके नियंत्रण से बाहर भी जा सकता है। बिजनेस पार्टनर का कारोबार में इन्वॉल्वमेंट न होने के कारण आपको उनके हिस्से के कार्य भी करने पड़ सकते हैं।

**सिंह:** इस राशि के लोग पदोन्नति और प्रोत्साहन प्राप्त करने में कामयाब हो सकेंगे। व्यापारी वर्ग पिछले कुछ समय से जिस डील के लिए प्रयासरत थे, इस सप्ताह वह सौदे अपने नाम करने में सफल रहेंगे। युवा वर्ग को यदि आत्म संतुष्टि की अनुभूति करनी है, तो आपको समायोजन का सहारा लेना पड़ेगा।

**कन्या:** इस सप्ताह संतुष्टि की कमी देखने को मिलेगी क्योंकि इस दौरान वर्कलोड कुछ अधिक होगा। व्यापारिक वर्ग के लिए यह सात दिन सामान्य रहेंगे, क्योंकि सभी परिस्थितियों को देखते हुए आप न तो लाभ की स्थिति में रहेंगे और न ही हानि की। हेल्थ में ठंड से बचाव करना है क्योंकि ठंड लगने से खांसी, सर्दी, सिर में दर्द आदि समस्याएं हो सकती है।

**तुला:** राशि के लोगों को ऑफिशियल काम के चलते पसंदीदा स्थान की यात्रा करने का अवसर मिलेगा। व्यापारी वर्ग यदि व्यावसायिक नीतियों को बदलकर नवीन रणनीतियों को अपनाते हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। इस सप्ताह कुछ इस तरह की स्थिति बनेगी जिसमें युवा वर्ग को न तो किसी से मिलना जुलना और न ही बात करना पसंद आएगा।

**वृश्चिक:** राशि के जो लोग जॉब तलाशने के काम में एक्टिव है, उन्हें ऐसी जगहों से बुलावा आएगा, जिसकी कभी आपने कल्पना भी नहीं की थी। कारोबारी वर्ग इन दिनों पैसा कमाने के साथ-साथ धन संचित करने में भी सफल होंगे। भाई बहनों के साथ अच्छा संबंध बना रहेगा, साथ ही उनसे समर्थन और प्यार भी मिलेगा।

**धनु:** राशि के लोगों को विदेशी स्रोतों से धन कमाने के मौके मिल सकते हैं। व्यापारी वर्ग को इस सप्ताह ग्रहों का सपोर्ट मिलेगा तो वहीं पिता का सहयोग भी आपको मुनाफा कराने में आगे रखेगा। युवा वर्ग में विवाद, मतभेद करने और दूसरों में कमी निकालने की आदत है, तो समय रहते ही इस आदत में सुधार लाए।

**मकर:** इस राशि के लोगों के मन में करियर को लेकर कुछ असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो सकती, जिस कारण उन्नति के मार्ग भी देर से खुलेंगे। व्यापारी वर्ग यदि काफी समय से भुगतान करने का प्रयास कर रहे थे , तो इस सप्ताह आप ऐसा करने में सफल होंगे। जीवनसाथी के साथ ऐसे नजर आएंगे जैसे आप दोनों एक दूसरे के लिए ही बने हैं।

**कुंभ:** राशि के लोग कुछ विशेष उपलब्धियां हासिल करने में आगे रहेंगे, जिसके द्वारा उनकी उन्नति के द्वार खुलेंगे। सप्ताह के अंतिम दो दिनों में व्यापारी वर्ग के लिए आर्थिक समस्याओं के लिए मारामारी हो सकती है, इसके बाद भी आपको कोई समाधान नहीं मिलेगा। ग्रहों की ऐसी स्थितियां बनेगी, युवाओं के मन में कोई किसी के काम नहीं आता है इस तरह के भाव आ सकते हैं।

**मीन:** इस राशि के लोगों की कामकाज की शैली में भारी परिवर्तन आ सकता है, जिसके लिए मन को पहले से मजबूत कर लें। संतान यदि भागदौड़ संभालने लायक है तो व्यापार में उसका पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे अनुकूल परिणाम भी प्राप्त होंगे, सेहत को ध्यान में रखते हुए आपको वाहन धीमे चलाना है।

पुण्य-स्मृति पर विशेष

# संगीत के प्रचार प्रसार में संगीताचार्य पं. हीरालाल चतुर्वेदी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता

चतुर्वेदी संगीत विद्यालय के विद्यार्थी प्रयाग संगीत समिति की परीक्षा के अवसर पर संगीताचार्य पं. हीरालाल चतुर्वेदी के साथ परीक्षक, संगीतज्ञ एवं विद्यालय के पदाधिकारी

चतुर्वेदी संगीत विद्यालय द्वारा अयोजित संगीत समारोह में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. एच.के.एल. भगत के साथ संगीताचार्य पं. हीरालाल चतुर्वेदी एवं ज्ञानप्रकाश गोयल

संगीत जगत के सुप्रसिद्ध संगीताचार्य एवं चतुर्वेदी संगीत विद्यालय के संस्थापक स्व. पं. हीरालाल चतुर्वेदी 17 मई, 1977 को स्वर्ग सिधार गए थे। श्री चतुर्वेदी ने संगीत के प्रचार व प्रसार में अपना पूरा जीवन समर्पित किया। राजधानी दिल्ली में चतुर्वेदी संगीत विद्यालय नामक संस्था की स्थापना आपने 1914 में नई सड़क के घनी आबादी वाले इलाके में की, इसके पश्चात आप लगातार संगीत के प्रचार व प्रसार में लगे रहे। पुरानी दिल्ली में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो आपकी संगीत शिक्षा से लाभ न उठा पाया हो, आपको दिल्ली की जनता लोग 'गुरूजी' के नाम से जानती है। श्री चतुर्वेदी के शिष्य आज भी रेडियो, टेलीविजन तथा फिल्मों में अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं तथा विभिन्न कलाओं में सिद्धहस्त हैं। आपका प्रमुख उद्देश्य भारतीय परंपरागत संगीत जानने वाले व चाहने वालों को स्वस्थ संगीत ज्ञान व शिक्षा उपलब्ध कराना था। वैसे तो आज के समाज में परंपरागत संगीत में बेशक आम लोगों की दिलचस्पी पश्चिमी संगीत से कम है, लेकिन भारतीय संगीत के कदरदान श्री चतुर्वेदी इसका विकास देखना चाहते थे। नन्हे-मुन्ने बच्चों को उंगली पकड़ कर स्वर शिक्षा व वाद्य शिक्षा देने में आपका जवाब नहीं था। आपने चतुर्वेदी संगीत विद्यालय के माध्यम से प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद की परीक्षाओं में छात्रों को बैठाकर बी.म्यूज, एम.म्यूज तक परीक्षाएं दिलाने की व्यवस्था भी की। आपके नेतृत्व में विद्यालय के परीक्षा परिणाम भी सौ प्रतिशत रहे। इसके अलावा स्व. चतुर्वेदी जी के ज्येष्ठ पुत्र पं. उमाशंकर चतुर्वेदी संगीत शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिये प्रत्यनशील हैं तथा उनके दूसरे सुपुत्र विजयशंकर चतुर्वेदी राष्ट्र टाइम्स समाचार पत्र के संपादन के साथ-साथ संगीत शिक्षा के उत्थान के लिये कार्यरत हैं।

चतुर्वेदी संगीत विद्यालय द्वारा आयोजित समारोह में पूर्व उप-महापौर स्व. लाला रामचरण अग्रवाल के साथ संगीताचार्य पं. हीरालाल चतुर्वेदी एवं विद्यालय के पदाधिकारी

# वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के परिणाम (वीआईटीईईई) घोषित

बी.टेक में प्रवेश के लिए वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा (वीआईटीईईई)। कार्यक्रम 19 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2024 तक भारत के 125 शहरों और विदेश के छह शहरों (दुबई, कुवैत, मस्कट, कतर, कुआलालंपुर और सिंगापुर) में कंप्यूटर आधारित प्रॉक्टर्ड परीक्षा के रूप में आयोजित किया गया था।

VITEEE-2024 में भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आवेदकों ने भाग लिया। परिणाम पोर्टल "https://ugresults.vit.ac.in/viteee" पर उपलब्ध हैं, जिन्हें VIT वेबसाइट "www.vit.ac.in" के माध्यम से भी देखा जा सकता है।

प्रथम रैंक हरियाणा के रूपिंदर सिंह को, दूसरी रैंक राजस्थान के श्री भानु महेश चेकुरी को, तीसरी रैंक आंध्र प्रदेश के ए वेदान्त को, चौथी रैंक असम की सुश्री आयुषी बैद को, पांचवीं रैंक सुश्री सानवी सिंह को प्राप्त हुई। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र के अभिराज रमाकांत यादव को छठी रैंक, उत्तराखंड के चैतन्य रमेश बोचरे को सातवीं रैंक, उत्तर प्रदेश के विक्की कुमार सिंह को आठवीं रैंक, हिमाचल प्रदेश के सोहन हाजरा को नौवीं रैंक और दसवीं रैंक बिहार के साहिल द्वारा।

बी.टेक में प्रवेश के लिए एक लाख रैंक के भीतर के आवेदक काउंसलिंग में भाग लेने के पात्र हैं। वीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, वीआईटी-वेल्लोर, वीआईटी-चेन्नई, वीआईटी-एपी और वीआईटी-भोपाल के कार्यक्रम।

रैंक-वार काउंसलिंग का कार्यक्रम इस प्रकार है: रैंक 1-20,000 के लिए चरण 1 7 से 10 मई, 2024 तक है; 18 से 21 मई, 2024 तक 20,001-45,000 रैंक के लिए चरण 2; चरण 3 29 मई से 1 जून, 2024 तक रैंक 45,001-70,000 के लिए और चरण 4 रैंक 70,001-1,00,000 के लिए 9 से 12 जून, 2024 तक।

एक लाख से ऊपर रैंक वाले उम्मीदवार बी.टेक की काउंसलिंग के लिए पात्र हैं। केवल वीआईटी-एपी और वीआईटी-भोपाल के कार्यक्रम। इन रैंकों के लिए चरण 5 काउंसलिंग 20 से 23 जून, 2024 तक निर्धारित है। वीआईटी उम्मीदवारों को आवंटन सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग के दौरान अधिकतम संख्या में विकल्प देने के लिए प्रोत्साहित करता है। कक्षाएं जुलाई 2024 के दूसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है।

शीर्ष वीआईटीईईई रैंक वाले उम्मीदवारों को सभी 4 वर्षों के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी; रैंक 1 से 10 तक के लिए ट्यूशन फीस में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी; 11 से 50 रैंक तक 75 प्रतिशत दिया जाएगा; 51 से 100 रैंक तक 50 प्रतिशत दिया जाएगा; और 101 से 500 रैंक तक को 25 प्रतिशत ट्यूशन फीस की छूट दी जाएगी।

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले जिला टॉपर्स (एक लड़का और एक लड़की) को स्टार्स के तहत 100 प्रतिशत ट्यूशन फीस माफी और हॉस्टल और मेस फीस से छूट दी जाएगी।

ग्रामीण छात्रों की उन्नति का समर्थन योजना।

3-वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों, 4-वर्षीय बी.एससी. के लिए आवेदन। ऑनर्स. (कृषि), बी. आर्क., बी.डेस. (औद्योगिक डिजाइन) और 5-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम भी खुले हैं और छात्र अधिक जानकारी के लिए वीआईटी वेबसाइट "www.vit.ac.in" पर जा सकते हैं।

# शरीर के इन हिस्सों में होने वाले दर्द को ना करें नजरअंदाज

## तेजी से बढ़ रहे कोलेस्ट्रॉल का है संकेत

आजकल की बदलती जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों की वजह से बड़ी तादाद में लोग दिल की बिमारियों से ग्रस्त हैं। हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल की बीमारी के कारण दिल की बिमारियों का जोखिम बढ़ता है। ज्यादातर लोगों को कोलेस्ट्रॉल के बारे में जानकारी नहीं होती है। बता दें कि कोलेस्ट्रॉल एक तरह का फैट होता है जो खून में मौजूद होता है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह के होते हैं – एलडीएल और एचडीएल। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को बैड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है। यह रक्त धमनियों में बाधा उत्पन्न कर हृदय को नुकसान पहुँचाता है। जबकि एचडीएल कोलेस्ट्रॉल को गुड कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है। यह दिल को स्वस्थ रखने का काम करता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर ज्यादा होने से हार्ट अटैक और किडनी फेलियर का खतरा बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर शरीर के कई हिस्सों में इसके लक्षण दिखाई देते हैं। अक्सर लोग इन लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं जिसके कारण बाद में परेशानी बढ़ सकती है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर शरीर के किन हिस्सों में दर्द होने लगता है –

### कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण

### हाथ-पैर में दर्द

जब किसी व्यक्ति के अंदर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लग जाती है तो उसे अपने हाथ पैरों में दर्द महसूस होने लगता है। ऐसा तब होता है जब खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा अधिक हो जाती है। इसकी वजह से शरीर में मौजूदा रक्त वाहिकाओं में अवरोध उत्पन्न होने लगता है। इन सभी कारणों की वजह से व्यक्ति को बिना किसी वजह हाथ पैरों में दर्द महसूस होने लगता है। यह सब बदलाव शरीर में पेरिफेरल नसों में पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व से भरपूर खून नहीं पहुंच पाने की वजह से होते हैं। इस तरह की परेशानी ज्यादातर उन लोगों को होती है जिनका वजन बहुत ज्यादा होता है। ज्यादा मोटापा होने के कारण ऐसे लोगों को अपने शरीर में कपकपी महसूस होने लगती है।

### पैरों के नेल्स का रंग और स्किन कलर का बदलना

पैरों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से शरीर पैरों में विशेषकर ब्लड सकुर्लेशन बाधित होता है और ऑक्सीजन की सप्लाई भी बाधित होती है। इससे पैरों के नाखून और स्किन का रंग बदल का पीला पड़ने लगता है। वहीं, पैरों की नसों पर दबाव के कारण उनका रंग नीला या बैगनी नजर आने लगता है। क्योंकि ब्लड ले जाने वाले पोषक तत्वों और ऑक्सीजन के प्रवाह में कमी के कारण सेल्स को सही पोषण नहीं मिल पाता। इससे स्किन टाइट या सूजी नजर आती है और नाखून भी मोटे होने लगते हैं।

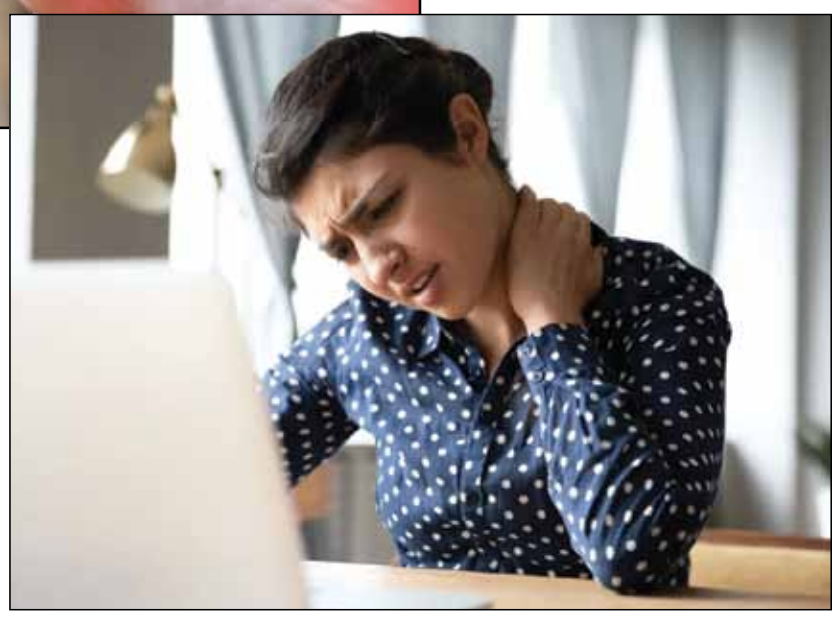

### तलवों का ठंडा होना

हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल के कारण आपके पैरों के नाखून का रंग ही नहीं बदलता बल्कि पैर के हिस्से के तापमान में भी बदलाव आ सकता है। ऐसे में हो सकता है आपके पैर हरदम ठंडे रहने लगें। यहां तक की गर्मियों में भी अगर आप इन्हें छूएं, तो आपको ये ठंडे ही लगेंगे। ज्यादातर लोगों के अंगूठे को देखकर जमे हुए कोलेस्ट्रॉल का अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है। जब भी आपको ऐसा लगे, तो इस स्थिति को नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

### गर्दन और सिर के पीछे वाले हिस्से में दर्द

जब किसी व्यक्ति के अंदर कोलेस्ट्रॉल का लेवल खून में ज्यादा बढ़ जाता है तो उसके शरीर की रक्त वाहिकाएं ब्लॉक होने लगती हैं। इसकी वजह से उसके सिर में रक्त संचार प्रभावित होता है। कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सिर में रक्त संचार पर भी असर पड़ता है और सिर के पिछले हिस्से में व्यक्ति को दर्द महसूस होने लगता है। केवल सिर में दर्द ही नहीं, बल्कि गर्दन और कंधे में भी समय-समय पर सूजन और दर्द महसूस होने लगता है। यदि किसी व्यक्ति को इस तरह की परेशानी हो रही है तो उसे जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

### थकान होना

जब व्यक्ति के शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लग जाती है तो उसको बहुत ही जल्दी थकान महसूस होने लगती है। ऐसे में थोड़ी दूर पर चलने पर ही आदमी थका हुआ महसूस करने लगता है और उसकी सांस फूलने लगती है। जब इस तरह के बदलाव उसके शरीर में आने लगते हैं तो व्यक्ति को तुरंत अपने कोलेस्ट्रोल का चेकअप कराना चाहिए और डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। क्योंकि कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आपके शरीर के लिए खतरे की घंटी हो सकती है। इसके साथ ही ध्यान रखें कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण हर किसी के शरीर में अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन ज्यादातर लोगों को कोलेस्ट्रॉल की वजह से थकान और आलस महसूस होता है।

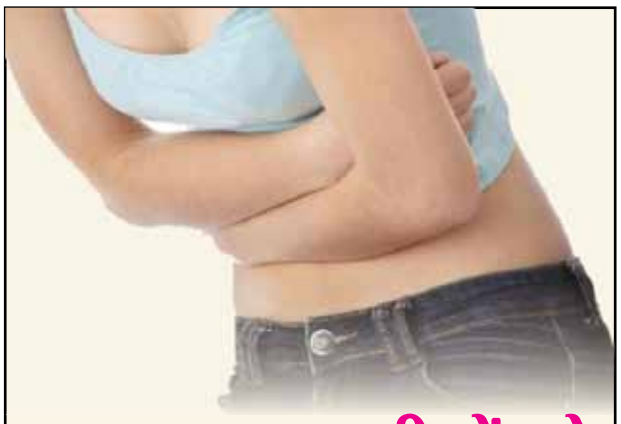

# क्या आप इन चीजों को खाली पेट खाते हैं बढ़ सकती है परेशानी

हम जो कुछ खाते है उसका सीधा संबंध हमारी सेहत से है। भोजन से ही हम जिंदा रहते हैं। लेकिन सेहत के लिए सही भोजन करना जरूरी है। इसके अलावा कुछ फूड ऐसे होते हैं जिनका सही समय पर सेवन नहीं किया गया तो फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। कई ऐसे फूड हैं जिनका सेवन अगर आप सुबह में करते हैं तो यह फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है। दरअसल, जब हम खाली पेट रहते हैं तो हमारी आंत में असंख्य बैक्टीरिया इस तरह के रसायन बनाते हैं जिससे खाली पेट में एसिड सक्रिय नहीं हो पाता है। लेकिन कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो इन बैक्टीरिया को मार देती हैं। इसलिए खाली पेट हमें क्या नहीं खाना चाहिए इसकी जानकारी जरूरी है। तो आइए जानते हैं कि किन-किन चीजों को खाली पेट नहीं खाना चाहिए।

## छाछ

कई लोग खाली पेट छाछ पीने को सही मानते हैं लेकिन यह आपको नुकसान दे सकता है। छाछ में लैक्टिक एसिड होता है। लेक्टिक एसिड पेट में जाकर कई गुड बैक्टीरिया को मार देता है। ये बैक्टीरिया पेट में एसिडिटी को बनने से रोकते हैं। इसलिए खाली पेट अगर छाछ पीते हैं तो इससे एसिडिटी बढ़ जाएगी।

## चीनी

आमतौर पर लोग खाली पेट शर्बत पीने को भी सही मानते हैं। लेकिन आपको याद रखना चाहिए कि शुगर को पचाने के लिए सुबह-सुबह इतना इंसुलिन नहीं बनता जिसके कारण खून में शुगर की मात्रा बढ़ सकती है। इसलिए सुबह—सुबह खाली पेट शुगर का सेवन नहीं करना चाहिए।

## काबोर्नेटेड ड्रिंक

आपको यह जानना चाहिए कि सॉफ्ट ड्रिंक का सेवन हमेशा करना सही नहीं है। सुबह में खाली पेट सॉफ्ट ड्रिंक या सोडा वाटर का सेवन सेहत के लिए नुकसानदेह है। इससे पेट में एसिडिटी हो सकती है। इसके अलावा अगर आप खाली पेट सॉफ्ट ड्रिंक पीते हैं तो पेट फुलने की समस्या भी हो सकती है. इसके अलावा एसोफेगर कैंसर का जोखिम भी बढ़ सकता है।

## साइट्रस फ्रूट

सुबह-सुबह खाली पेट संतरे, नींबू का भी सेवन नहीं करना चाहिए। यह भी काबोर्नेटेड पदार्थ की तरह ही असर करता है. ये चीजें गैस को बढ़ाने वाला रसायन पैदा करती है. इससे एसिडिटी बढ़ती है। हालांकि इनमें मौजूद कई सारे एंटीऑक्सीडेंट्स हमें कई तरह से फायदे पहुंचाते हैं।

## गरम मसाला

खाली पेट या सुबह-सुबह बहुत अधिक तेज गरम मसाले वाली चीजों को खाने से पेट दर्द की समस्या हो सकती है। इससे सीने में जलन भी हो सकती है। खाली पेट गरम मसाला का सेवन गैस को बढ़ाता है जिससे पेट में दर्द भी हो सकता है।

# युवराज सिंह ने बताया कोहली की सफलता का राज

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

भारत के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने इस बात पर अपनी राय रखी कि कैसे विराट कोहली इस पीढ़ी के महानतम बल्लेबाजों में से एक बने। टी20 में उनके स्ट्राइक रेट को लेकर आलोचना 2024 टी20 विश्व कप से पहले बातचीत का केंद्र बिंदु बनने के बाद वह अपने पूर्व साथी की मदद के लिए आगे आए हैं।

कई रिपोर्टों में यह भी अनुमान लगाया गया कि कोहली को टूर्नामेंट के लिए टीम से बाहर रखा जा सकता है।

युवराज ने आईसीसी से कहा, "मुझे लगता है कि वह अपने खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। वह जानते हैं कि अगर वह अंत तक टिके रहे तो वह भारत के लिए मैच जीतेंगे और उन्होंने कुछ बड़े मौकों पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी ऐसा किया है।"

उन्होंने कहा, "एक बार जब उसे लक्ष्य का पीछा करने और स्थिति को जानने का आत्मविश्वास मिल गया, तो वह जानता है कि इन परिस्थितियों में कैसे बल्लेबाजी करनी है, वह जानता है कि किस गेंदबाज पर आक्रमण करना है, किस गेंदबाज पर सिंगल लेना है, कब फिर से आक्रमण करना है, दबाव को संभालना है और जानता है कि कब अपना खेल बदलना है।"

कोहली एक दशक से अधिक समय से भारत के स्टार बल्लेबाज रहे हैं और टीम में

शामिल होने के बाद से वह आईसीसी टूर्नामेंटों में भारतीय क्रिकेट के लिए स्टार प्रदर्शन करने वालों में से एक रहे हैं। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप में बिना किसी शतक के खराब दौर के बाद प्रवेश किया, जो 1,000 दिनों से अधिक समय तक चला और टूर्नामेंट के एक संस्करण में सबसे अधिक रनों के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया, जो कि उनके द्वारा बनाए गए कई रिकॉर्डों में से एक था।

मौजूदा आईपीएल 2024 में, भारत के पूर्व कप्तान ने 67.75 की औसत और 148.08 की स्ट्राइक-रेट से 542 रन बनाए हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या बात कोहली को अद्वितीय बनाती है, 2011

विश्व कप टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ने कहा, "मुझे क्यों लगता है कि वह इतना अच्छा था क्योंकि हर बार नेट्स या अभ्यास की स्थिति में, वह नहीं जाता था और सिर्फ स्लॉग गेंदें डालता था। नेट्स पर, वह हमेशा वैसे ही बल्लेबाजी करता था जैसे वह एक मैच में कर रहा था। मैंने ऐसा कई खिलाड़ियों में नहीं देखा है जो उसकी सफलता की कुंजी है।"

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 गेंदों में अविश्वसनीय 82* रन बनाए और 2016 टी20 विश्व कप में एक महत्वपूर्ण सुपर 10 मैचअप में भारत को जीत दिलाई। उन्होंने अक्सर याद किया है कि इसका जिक्र करना उनकी पसंदीदा पारियों में से एक है।

युवराज को याद आया, "मुझे लगता है कि वह उत्कृष्ट थे। वह अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में से एक थे। वह गेंद को अविश्वसनीय रूप से हिट कर रहे थे। और मैंने उनके साथ एक छोटी सी साझेदारी की थी (2014 टी20 विश्व कप में) और फिर उन्होंने धोनी के साथ बल्लेबाजी की।"

## काइरेन विल्सन ने पहली बार स्नूकर विश्व खिताब जीता

विश्व के 12वें नंबर के खिलाड़ी काइरेन विल्सन ने स्नूकर विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में क्वालीफायर जैक जोन्स को 18-14 से हराकर पहली बार विश्व खिताब जीता।

विल्सन क्रूसिबल में विश्व चैम्पियनशिप ट्रॉफी उठाने वाले 23वें खिलाड़ी बने। यह विल्सन के लिए छठा रैंकिंग खिताब है और 2022 यूरोपीय मास्टर्स के बाद पहला, और उनकी पहली ट्रिपल क्राउन सफलता है। 500,000 के शीर्ष पुरस्कार के साथ, वह रैंकिंग में नौ पायदान ऊपर चढ़कर अपने करियर के सर्वोच्च तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

दूसरी ओर, जोन्स ट्रॉफी उठाने वाले टेरी ग्रिफिथ्स और शॉन मर्फी के बाद केवल दूसरे

क्वालीफायर बनने से चूक गए। लेकिन अपने पहले रैंकिंग फाइनल में उपस्थित होने के कारण, 200,000 के पुरस्कार उन्हें 30 स्थान ऊपर उठाकर 14वें नंबर पर पहुंचा दिया और वह पहली बार शीर्ष 16 में शामिल हो गए।

शुरूआती सत्र के दौरान पहले सात फ्रेम जीतने के बाद, विल्सन विजयी पद पर अपनी बढ़त बनाने में सक्षम थे, और हालांकि दृढ़ जोन्स ने कड़ी मेहनत की, लेकिन वह अंतर को तीन से कम नहीं कर सके। 17-11 से 17-14 तक आकर उन्होंने एक रोमांचक फिनिश बनाई, लेकिन विश्व स्नूकर रिपोर्ट के अनुसार यह बहुत कम, बहुत देर से साबित हुआ।

विल्सन का स्कोरिंग पूरे समय प्रभावशाली रहा, उन्होंने 50 से अधिक चार शतक और आठ और ब्रेक बनाए और वह खेल के सबसे बड़े पुरस्कार पर कब्जा करने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गए।

विल्सन ने जीत के बाद कहा, "जब मैं छह साल का था तब से मैंने इसका सपना देखा है। अपने पूरे परिवार के साथ इसे जीतना बिल्कुल वैसा ही था जैसी मैंने इसकी कल्पना की थी।

जैक ने संघर्ष किया और इसे मेरे लिए इतना कठिन बना दिया कि इसे एक साथ रखना कठिन हो गया। आखिरी फ्रेम में, मैं बस गेंदें पॉट कर रहा था और अचानक मैंने मैच बॉल पॉट कर दी और मैं विश्व चैंपियन बन गया, इसका मतलब सब कुछ है।"

## 3 साल बाद घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने फेडरेशन कप में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है, जो तीन साल बाद उनका पहला घरेलू टूर्नामेंट होगा। नीरज ने आखिरी बार 2021 फेडरेशन कप में भाग लिया था जो टोक्यो ओलंपिक से पहले आयोजित किया गया था। गोल्डन बॉय ने एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बनकर अपनी छाप छोड़ी।

वह दोहा डायमंड लीग, जो 10 मई को कतर, संयुक्त अरब अमीरात में होने वाला है, के बाद फेडरेशन कप के लिए भारत वापस आएंगे ।

दोहा प्रतियोगिता नीरज के लिए 2024 सीजन की शुरूआत होगी, और वह 2023 एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद पहली बार एक्शन में होंगे।

26 वर्षीय भाला फेंक खिलाड़ी की नजर जुलाई में शुरू होने वाले 2024 पेरिस ओलंपिक में अपने ओलंपिक स्वर्ण की रक्षा करने पर है।

## पीजीडीएवी कॉलेज ने सीवीएस कॉलेज को 80 रनों से हराया

श्रेष्ठ पी. यादव के शानदार शतक की मदद से पीजीडीएवी कॉलेज ने सी.वी.एस. कॉलेज को द्वितीय स्वामी दयानंद सरस्वती डे-नाइट टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में 80 रनों से से पराजित किया।

टॉस जीतकर पीजीडीएवी कॉलेज ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 210 रन बनाए। श्रेष्ठ पी. यादव ने 69 गेंदों में 115 रन बनाए। जवाब में सीवीएस कॉलेज की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 130 रन ही बना सकी और 80 रन से पराजित हो गई। प्रथम गोसाईं ने 38 एवं ऋषि आर्यन ने 33 रन बनाए।

डॉ. मुकेश कुमार (सहायक प्रोफेसर, पीजीडीएवी कॉलेज) ने श्रेष्ठ पी. यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया।

## वायुसेना और यूनाइटेड भारत का विजय अभियान आगे बढ़ा

भारतीय वायुसेना पालम ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए आज यहां डीएसए सीनियर डिवीजन लीग में गढ़वाल डायमंड को जिको के गोल से परास्त कर पूरे अंक अर्जित किए।

विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान पर खेले गए मैच में जिको को प्लेयर ऑफ द मैच आंका गया। दिन के दूसरे

मैच में यूनाइटेड भारत एफसी ने शास्त्री एफसी को 3 -1 से हरा कर सुपर सिक्स का दावा मजबूत किया। विजेता टीम के लिए प्लेयर ऑफ द मैच एन गुलगोलाल ने दो मिनट में दो गोल जमाए। एक गोल सानीक मुर्मू ने किया । पराजित टीम का गोल ब्लास्को के नाम रहा। नतीजों के अनुसार यूनाइटेड भारत 8 मैचों में 17 अंक लेकर सुपर सिक्स में पहुंच गई है। भारतीय वायुसेना के नौ मैचों में 16 , शास्त्री के 14 और गढ़वाल डायमंड के 13 अंक हैं।

## आईपीएल मैच के दौरान आप समर्थकों द्वारा केजरीवाल के पक्ष में नारे लगाने पर डीडीसीए नाराज

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अधिकारियों ने प्रशंसकों से स्टेडियम से 'राजनीति को दूर रखने' और 'केवल खेल का आनंद लेने' का आग्रह किया है।

अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के समर्थकों ने जेल में बंद अपने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पक्ष में नारे लगाए।

घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने समर्थकों को हिरासत में ले लिया, लेकिन कुछ ही देर बाद रिहा कर दिया।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए डीडीसीए के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि राजनीति को स्टेडियम में नहीं आना चाहिए। प्रशंसक

आते हैं और मैच का आनंद लेते हैं। राजनीतिक दलों के समर्थकों से मेरा अनुरोध है कि वे इसे अपनी राजनीति करने के लिए एक मंच के रूप में उपयोग न करें।"

आप ने एक्स पर इसका वीडियो भी पोस्ट किया और कहा, "जेल का जवाब वोट से, सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी की साजिश के खिलाफ फिरोज शाह कोटला मैदान में डीसी बनाम आरआर आईपीएल मैच के दौरान नारे लगाए गए।"

डीडीसीए के एक अन्य अधिकारी ने भी उनकी बात दोहराते हुए कहा, यह अस्वीकार्य है।

क्रिकेट सभी को पसंद है. राजनीतिक दलों को ऐसे स्टंट को स्टेडियम से बाहर रखना चाहिए. वे केवल उन अन्य प्रशंसकों के लिए समस्याएँ पैदा करते हैं जो पैसे देकर शाम का आनंद लेने के लिए परिवार के साथ आते हैं।

# सोनाक्षी सिन्हा अपने करियर को लेकर कही बड़ी बात

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी वेब सीरीज हीरामंडी को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उन्होंने फरदीन नाम का नेगेटिव रोल किया है। सोनाक्षी सिन्हा पहली बार इस तरह का रोल कर रही हैं। इसको लेकर वह काफी एक्साइटेड थीं। अब सोनाक्षी सिन्हा ने अपने नेगेटिव रोल को लेकर बड़ी बात कही है। साथ ही उन्होंने अपने पापा की फिल्मों को लेकर भी बयान दिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बातचीत में बताया कि इस दौरान उन्होंने वेब सीरीज हीरामंडी और पापा शत्रुघन सिन्हा की फिल्मों को लेकर ढेर सारी बातें की।

हीरामंडी में अपने रोल के बारे में बात करते हुआ सोनाक्षी सिन्हा कहा, 'मैं हमेशा से विलेन का रोल करना चाहती थी, जिसे मेरे पापा ने शुरूआत में किए थे। फिर यह मुझे फरदीन का रोल ऑफर हुआ तो मैं काफी एक्साइटेड थी।'

सोनाक्षी सिन्हा ने यह भी बताया है कि जब वह बड़ी हो रही थीं तो वह फिल्में देखना पसंद नहीं करती थीं। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी खुलासा किया है कि उन्हें एक्टिंग और फिल्म देखने में कोई दिलचस्पी भी नहीं थी। मैं खेलना पसंद करती थी।

शत्रुघन सिन्हा की बेटी ने आगे कहा, 'अपने शुरूआती दिनों में मैंने सिर्फ अपने पापा की चार फिल्में ही देखी थीं। उन्होंने करीब 250 फिल्मों में काम किया है। जिन्हें मैं अब देखती रहती हूं' इसके अलावा सोनाक्षी सिन्हा ने और भी ढेर सारी बातें की हैं। आपको बता दें कि हीरामंडी के अलावा इस साल सोनाक्षी सिन्हा फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आई थीं। हालांकि उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।

# नरगिस फाखरी को पसंद है जंगल

अभिनेत्री नरगिस फाखरी जंगल में रहना चाहती हैं, क्योंकि उनका कहना है कि प्रकृति के बीच दिन बिताने से बेहतर कुछ नहीं है। नरगिस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह जंगल में ट्रैकिंग करती नजर आ रही हैं। अपने ठिकाने के बारे में विवरण साझा किए बिना, नरगिस ने लिखा, मैं जंगल में रहना चाहती हूं, इसके लिए जागने और प्रकृति में अपने दिन बिताने से बेहतर कुछ नहीं है। मैं बहुत आभारी और धन्य महसूस करता हूँ; प्रकृति हमें ठीक करती है। अपने काम के बारे में बात करते हुए, नरगिस, जिन्होंने 2011 में रणबीर कपूर-स्टारर रॉकस्टार के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की, आखिरी बार अनुपम खेर और नीना गुप्ता अभिनीत हिंदी कॉमेडी शिव शास्त्री बाल्बोआ में देखी गई थी। अभिनेत्री अगली बार तेलुगु पीरियड एक्शन एडवेंचर फिल्म हरि हर वीरा मल्लू पार्ट 1 – स्वॉर्ड वर्सेस स्पिरिट में दिखाई देंगी, जिसमें पवन कल्याण और बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म कथित तौर पर मुगल काल पर आधारित है।

# पद्म विभूषण मिलने पर वैजयंतीमाला-चिरंजीवी ने जताई खुशी

• डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

राष्ट्रपति भवन (दिल्ली) में पद्म पुरस्कार से विजेताओं को सम्मानित किया गया। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी को सम्मान से नवाजा। इस दौरान फिल्म अभिनेत्री वैजयंतीमाला बाली ने पद्म विभूषण पुरस्कार अपने नाम किया। उनके अलावा साउथ एक्टर चिरंजीवी को भी भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान से नवाजा गया। इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर विजेताओं के नामों की घोषणा की गई थी।

फोटो : मो. इलियास

फोटो : सुनील सक्सेना

वैजयंतीमाला ने 50 से 60 के दशक के बीच हिंदी सिनेमा में कभी न भुलाए जाने वाला योगदान दिया। अभिनेत्री 16 साल की उम्र से फिल्म जगत से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने तमिल फिल्म से अपने करियर की शुरूआत की थी।

पद्म पुरस्कार समारोह में वैजयंतीमाला को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वैजयंतीमाला ने जताया आभार पद्म विभूषण पुरस्कार मिलने के बाद 90 वर्षीय वैजयंतीमाला ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, "मैं अपने भगवान को उनकी करुणा, दयालुता और दया के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। इस पुरस्कार के लिए मैं अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और भारत सरकार का आभार व्यक्त करती हूं। 1969 में मुझे पद्म श्री मिला था और अब पद्म विभूषण मिला है, ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। ये सम्मान पाकर मैं बेहद खुश हूं।"

चिरंजीवी तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी काफी काम किया है। चिरंजीवी ने लगभग 150 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है। एक्टिंग के अलावा उन्होंने राजनीति में भी हाथ आजमाया और एक पार्टी भी बनाई।

साल 2006 में चिरंजीवी को भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण सम्मान दिया गया था। वहीं, अब उन्हें दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से नवाजा गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
**प्रकाशन:** प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes